जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 335 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 6 अक्टूबर, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी के लिए डीटेल्ड प्रोग्राम तय किया कांग्रेस ने

कांग्रेस ने पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए 10 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक की कार्य योजना तैयार की है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाते हुए, विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग तक बड़ा मार्च निकालेंगे। इसका उद्देश्य चुनाव आयोग से ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के लिए दबाव डालना है।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की मार्च में मौजूदगी को लेकर पहले स्थिति स्पष्ट नहीं थी, लेकिन उन्होंने भी अब पुष्टि कर दी है कि वे अपने सांसदों के साथ मार्च में शामिल होंगे।

आम आदमी पार्टी को इस मार्च के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है, क्योंकि विपक्षी दल उसे इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं मानते हैं।

द्रमुक को आमंत्रित किया गया है, लेकिन उसने अभी तक अपनी मौजूदगी की पुष्टि नहीं की है।

- 10 से 20 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर मार्च किया जाएगा, जो एसडीएम ऑफिस पर समाप्त होगा।
- 25 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक हरेक गाँव में ग्राम चौपाल आयोजित कर वोट चोरी की जानकारी दी जाएगी।
- पार्टी ने वोट रक्षक भी बनाए हैं, जो अनुचित तरीके से डिलीट मतदाताओं की पहचान कर उन्हें दोबारा लिस्ट में जुड़वाने में मदद करेंगे।
- एक नवम्बर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान पर महारैली आयोजित की जाएगी।
- 25 से 26 नवम्बर को कांग्रेस दिल्ली चलो वाहन रैली का आयोजन करेगी, जो संविधान दिवस (26 नवम्बर) को दिल्ली में समाप्त होगी।

द्रमुक कांग्रेस से अब भी नाराज है। उसका आरोप है कि कांग्रेस ने उसे छोड़कर एक्टर मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके के साथ हाथ मिला लिया है। लेकिन द्रमुक ने पुष्टि की है कि वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा है।

कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर अपनी रणनीति तैयार करने के लिए महासचिवों, राज्य प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक की।

प्रधानमंत्री पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का दबाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि वे लगातार सरकार के लिए राजनीतिक बोझ बनते जा रहे हैं। जब तक वे सीईसी के पद पर बने रहेंगे, तब तक प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर भी दबाव बना रहेगा। विपक्ष इन दोनों को 'वोट चोरी' का मुख्य सूत्रधार बताता रहा है।

बैठक के बाद, कांग्रेस ने सीईसी पर इस्तीफा देने के लिए दबाव बनाने और उन्हें घेरने के लिए अगले चरण के कार्यक्रमों की घोषणा की।

कांग्रेस ने कहा, हालिया खुलासों के बाद हमने इस मुद्दे पर पूरे भारत में राज्य और जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए हैं। अगले चरण के अन्तर्गत, अगले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्योहारी सीज़न से पहले इंडिगो ने टिकट के पैसे बढ़ाये

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। त्योहारी सीजन और आगामी छुट्टियों के सफर से ठीक पहले देश में हवाई यात्रा करना और महंगा हो गया है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने छह अक्टूबर से अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल चार्ज (ईंधन शुल्क) में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है।

- गत 6 माह में इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज के नाम पर तीसरी बार दाम बढ़ाये हैं।

एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में 1300 रु. तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 10,000 रु. तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12:01 बजे से लागू होंगी।

इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था।

एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।

विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव को इस फैसले का मुख्य कारण बताया जा रहा है।

पंजाब के मु.मंत्री के ओएसडी की जाँच सीबीआई करेगी

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राजबीर घुम्मन पर लगे भ्रष्टाचार के मामले की जाँच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) राजबीर सिंह घुम्मन और अन्य लोगों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

यह मामला जमीन के इस्तेमाल की मंजूरी और सरकारी कामकाज में कथित गड़बड़ी की ईडी की जांच से जुड़ा है।

जांच के दौरान, केन्द्रीय जांच एजेंसी ने निजी व्यक्ति नितिन गोहल से पूछताछ की। एजेंसी का आरोप है कि वह सरकारी मदद या फायदा लेने वाले लोगों और घुम्मन के बीच बिचौलिए का काम करता था।

वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इस नेटवर्क के जरिए अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग पर प्रभाव डाला जाता था। इसके अलावा, गोपनीय सरकारी दस्तावेजों तक पहुंच, हथियारों के लाइसेंस और सरकारी मंजूरियां दिलाने में भी मदद की जाती थी।

- ईडी ने किसी नितिन गोहल से पूछताछ के आधार पर ओएसडी घुम्मन के खिलाफ मामला तैयार किया था। ईडी का आरोप है कि नितिन असल में ओएसडी घुम्मन का दलाल है।
- हाई कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब के विपक्षी दलों ने आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और संभावना है कि विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा जोर पकड़ेगा।

इस मामले के बाद पंजाब में एक बार फिर राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है। विपक्षी नेताओं ने भगवंत मान सरकार पर भ्रष्टाचार खत्म करने के अपने वादे को पूरा न करने का आरोप लगाया है।

विपक्ष का यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पंजाब में आप पार्टी के राजनीतिक अभियान में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा था। मान सरकार ने खुद को पुरानी राजनीतिक व्यवस्था के विकल्प के रूप में पेश किया था और बार-बार भ्रष्टाचार के खिलाफ बार-बार कड़ी कार्रवाई का वादा किया था।

कांग्रेस, भाजपा और एसएडी के नेता अलग-अलग तरीके से सरकार को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह मुद्दा एक और बड़ा राजनीतिक विवाद बन सकता है।

हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई जांच शुरू होने पर आप के महासचिव बलतेज पन्नू ने कहा:

"केन्द्र सरकार नहीं चाहती कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संशोधित फॉर्म 6 को मंजूरी नहीं दी सुप्रीम कोर्ट ने

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, कोर्ट फॉर्म 6 के मामले में विचार करेगा, पर एक बात तय है कि कोर्ट द्वारा इसे मंजूरी नहीं दी गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि वह इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) द्वारा जारी फॉर्म -6 से जुड़े मामले पर गौर करेगा, जिसकी जरुरत नए मतदाता के रूप में नाम रजिस्टर कराने के लिए होती है। कोर्ट ने साफ कहा कि "बदले हुए" फॉर्म -6 को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया/सीजेआई) सूर्यकांत ने यह बात एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। इस याचिका में यह जांच करने की मांग की गई थी कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अकेले ही उन शक्तियों का इस्तेमाल किया, जो संविधान के तहत पूरी मल्टी मैंबर चुनाव संस्था के लिये तय हैं, जिसमें दो चुनाव आयुक्त भी शामिल हैं।

- सीजेआई ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई करते हुए की, जिसमें यह मांग की गई थी कि क्या चुनाव आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल अकेले ज्ञानेश कुमार कर रहे हैं, इसकी जाँच की जाए।
- ज्ञातव्य है कि फॉर्म 6 चुनाव आयोग द्वारा नए मतदाताओं को जारी किया जाता है और नए वोटर को रजिस्ट्रेशन के लिए इस फॉर्म की जरूरत होती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक फॉर्म -6 के मामले में कोई फैसला नहीं किया है। कोर्ट इस मुद्दे पर विस्तार से तभी विचार करेगा, जब इससे जुड़े रिकॉर्ड उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कूनो में केजेपी -21 ने 5 शावकों को जन्म दिया

भोपाल, 05 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में केन्द्र सरकार की "चीता परियोजना" में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भारतीय धरती पर जन्मी 32 माह की मादा चीता केजेपी-21 ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़ कर 60 हो गई है, जिसमें 41 भारतीय धरती पर जन्मे चीते शामिल हैं।

- भारत में चीतों की संख्या 60 हुई, जिनमें से 41 भारत में जन्मे हैं।

यह जानकारी सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा की है। उन्होंने मादा चीता के शावकों का एक वीडियो और फोटो भी शेयर किया है, साथ ही इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए एक और गर्व का पल बताया है।

राज्यसभा चुनाव: यूपी में हरदीप पुरी सहित 7 नेताओं के टिकर कटे

उत्तर प्रदेश की दस राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने जा रहा है, तथा 16 अक्टूबर को मतदान होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। भाजपा ने सोमवार को सबको चौंकाते हुए, उत्तर प्रदेश से अपने राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट में हरदीप सिंह पुरी और बी.एल. वर्मा को शामिल नहीं किया। पार्टी ने 8 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं और अपने मौजूदा राज्यसभा सांसदों में से किसी को भी दोबारा टिकट नहीं दिया है।

पार्टी ने 16 अक्टूबर को होने वाले चुनाव के लिए धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडे, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया है।

पुरी और वर्मा के अलावा, अरुण सिंह, सीमा द्विवेदी, नीरज शेखर, बृज लाल और गीता शाक्य का नाम भी सूची में नहीं है। दिनेश शर्मा, जो पहले उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं, अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल हैं।

- भाजपा ने इन दस सीटों पर आठ नए प्रत्याशियों को टिकट दिया है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जातीय समीकरणों का ध्यान रखा गया है। इनमें तीन प्रत्याशी सवर्ण हैं, तीन ओबीसी व दो महिलाएं हैं।
- बहुचर्चित केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी और वरिष्ठ नेता नीरज शेखर सहित 6 अन्य वरिष्ठ नेताओं को टिकट नहीं दिया गया।
- जिन दो महिलाओं को टिकट दिया गया है, उनमें एक श्रुति गंगवार, झारखंड के गवर्नर संतोष गंगवार की पुत्री हैं और दूसरी प्रियंका सिंह रावत ने 2014 में बाराबंकी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया को हराया था।

उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उम्मीद है कि भाजपा 8 सीटें जीतेगी, जबकि बाकी सीटें समाजवादी पार्टी को मिलने की संभावना है।

इस सूची में 3 ओबीसी उम्मीदवार, 2 अनुसूचित जाति के उम्मीदवार और 3 सामान्य वर्ग के उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं भी हैं।

ओबीसी उम्मीदवारों में लोधी, पाल और कुर्मी समुदायों का प्रतिनिधित्व है। वहीं, सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों में 2 ब्राह्मण और 1 राजपूत हैं।

दो महिला उम्मीदवारों में बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार शामिल हैं। रावत ने 2014 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीएल पूनिया को हराकर बाराबंकी लोकसभा सीट जीती थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी उपचुनाव में मतदान आज

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। देश के तीन राज्यों और एक केन्द्रशासित प्रदेश की पांच विधानसभा सीटों तथा एक लोकसभा सीट पर मंगलवार, 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरांतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टनचावडी विधानसभा सीट तथा असम की नगांव लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।

- पांच विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।

इन छह सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके), अखिल भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चार न्यायाधीशों को जोधपुर हाईकोर्ट भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करें'

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल को पत्र लिखा

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय के अग्रवाल को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है और आग्रह किया है कि उनके द्वारा जारी किए गए दो आदेश, जिनके तहत जस्टिस आशुतोष कुमार, जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली, जस्टिस मनीष शर्मा और जस्टिस विपिन गुप्ता को जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में भेजा गया है, उस आदेश पर पुनः विचार किया जाए। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से गुहार की गई है कि जयपुर स्थित हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सूची को देखा जाए तो ये जाहिर हो जायेगा कि यहां पर मामलों की सुनवाई और निस्तारण के लिए जजों की आवश्यकता ज्यादा है और इस तथ्य को मद्देनज़र रखते हुए, मुख्य न्यायाधीश अपने विवेक के अनुसार, जजों के ट्रांसफर के आदेश को निलंबित रख सकते हैं या अपने आदेश को पूरी तरह वापस ले सकते हैं। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से पत्र में यह भी कहा गया है कि उन्हें मुख्य न्यायाधीश के विवेक और निष्पक्षता पर पूरा भरोसा है और अगर चीफ जस्टिस चाहें तो एसोसिएशन द्वारा गठित एक प्रतिनिधित्व मंडल उनके समक्ष इस मुद्दे पर "बार" द्वारा प्रस्तुत कुछ सुझाव भी पेश कर सकता है।

बार एसोसिएशन द्वारा 5 अक्टूबर को लिखी गई यह चिट्ठी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष राजीव सुगरवाल और महासचिव दीपेश शर्मा द्वारा हस्ताक्षरित है। इस चिट्ठी में लिखा है कि जजों का तबादला करना चीफ जस्टिस के प्रशासनिक शक्तियों के अधीन है और यह उनका अधिकार भी है। इस पत्र में यह भी उद्धृत है कि चीफ जस्टिस ने अपने अधिकार के तहत ही 3 अक्टूबर को यह आदेश जारी किया था कि जस्टिस आशुतोष कुमार और जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली 5 अक्टूबर से आगामी आदेशों तक जोधपुर स्थित हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में कार्यरत रहेंगे। पत्र में यह भी जानकारी दी गई थी कि चीफ जस्टिस ने उसी दिन एक अन्य आदेश जारी किया था, जिसके तहत जस्टिस मनीष शर्मा और विपिन गुप्ता को 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जोधपुर कार्य करने के लिए भेजा गया है।

- एसोसिएशन ने कहा कि, जयपुर हाईकोर्ट में पूर्व में 22 जज बैठते थे, लेकिन इस आदेश के लागू होने के बाद सिर्फ 19 जज ही बचे हैं, जबकि यहां पर 3.90 लाख से ज्यादा केस लंबित चल रहे हैं।
- वहीं जोधपुर में पूर्व में 15 जज बैठते थे लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है (मुख्य न्यायाधीश दोनों अदालतों में महीने में दो हफ्ते बैठते हैं), जबकि यहां पर 2.90 लाख मामले ही लंबित चल रहे हैं।

बार एसोसिएशन द्वारा इन्ही आदेशों के संबंध में पत्र में कुछ ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं, जिनसे चीफ जस्टिस जोधपुर और जयपुर स्थित हाईकोर्ट की अदालतों में लंबित चल रहे मामलों को देखते हुए जजो की संख्या अनुपातिक रखें।

पत्र में लिखा है कि चीफ जस्टिस के नए आदेशों को लागू करने से पहले जयपुर में 22 जज बैठते थे, वहीं जोधपुर में 15 जज। इन आदेशों को लागू करने के बाद अब जयपुर में 19 जज बैठेंगे और जोधपुर में 18 जज बैठेंगे। पत्र में कहा गया है कि अगर 30 सितम्बर 2026 तक अदालतों में लंबित मामलों के आंकड़े देखे जाएं तो जयपुर में करीब 3,90,423 मामले लंबित हैं, वहीं जोधपुर में यह आंकड़ा गिरकर 2,92,523 ही है। बार एसोसिएशन का कहना है कि लंबित मामलों की श्रेणी में जयपुर का पलड़ा भारी है और 57 प्रतिशत मामले जयपुर में लंबित हैं। पत्र में स्पष्ट लिखा गया है कि जयपुर में जोधपुर के मुकाबले 98000 अधिक मामले लंबित हैं, इसलिए स्पष्ट है कि जयपुर में कार्यभार को देखते हुए अधिक जजों की जरूरत है। एसोसिएशन का कहना है कि यहां जजों की संख्या कम की गई तो लंबित मामलों की संख्या और बढ़ेगी, मामलों का निष्तारण कम होगा और खण्डपीठों का कार्य बढ़ेगा और साथ ही, न्याय मांगने आये याचिकाकर्ताओं का इंसाफ के लिए इंतज़ार भी बढ़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट में तीन जज नियुक्त

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय के लिए तीन जजों की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान कर दी है। सोमवार को जारी नोटिफिकेशन में तीन जजों की नियुक्ति की गई है।

राष्ट्रपति ने गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह को उच्चतम न्यायालय के जज के रूप में नियुक्त किया है। इससे पहले 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट कॉलीजियम ने इन जजों की नियुक्ति की अनुशंसा की थी।

- राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद नोटिफिकेशन जारी।

फिलहाल, उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश समेत 34 जज हैं। उच्चतम न्यायालय में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 38 है। इन तीन जजों के शपथ लेने के बाद उच्चतम न्यायालय में जजों की कुल संख्या 37 हो जाएगी।

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

न्यायपालिका की अग्नि परीक्षा

जब भी लोकतंत्र के दो स्तंभ, कार्यपालिका और विधायिका,संविधान के विपरीत काम करें तो तीसरे स्तंभ न्यायपालिका से यह अपेक्षा रहती है कि वह विभिन्न कानूनों और निर्णयों को संविधान की कसौटी पर कसते हुए अपना निर्णय पारित करेगी। सामान्यतया ,उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय इस काम को भली भांति करते रहे हैं और जनता की अपेक्षा पर खरे उतरते रहे हैं। अपवाद स्वरूप, कुछ प्रकरण यदा कदा अवश्य सामने आते हैं ,जब लोगों को लगता है कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के गलत कामों पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। विधायिका और न्यायपालिका के बीच अहम की लड़ाई भी रही है। कानून बनाने का अधिकार संसद/विधान सभा का है, किंतु उसकी संवैधानिकता पर निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका का है। जब कोई अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन भली भांति नहीं करे, जिसके कारण नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन हो, तो उसकी रक्षा के लिए न्यायपालिका बचाव में आती रही है। आवश्यक होने पर न्यायाधीश, अदालत की अवमानना की कार्यवाही भी करते हैं और अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी बुलाते हैं। कार्यपालिका और विधायिका को निरंकुश होने से रोकने में भारत की न्यायपालिका की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

गत कुछ सालों में अवश्य इस प्रकार के प्रकरण उच्चतम न्यायालय में गए हैं, जिनकी सुनवाई लंबे समय तक नहीं होने से वे प्रकरण स्वत: प्रभावहीन हो गए, जैसे धारा 370 हटाने तथा महाराष्ट्र के विधायकों के दल बदल का प्रकरण। इस प्रकार के निर्णय भी दिए गए जो जनता की अपेक्षा के अनुरूप नहीं थे। ऐसा भी प्रतीत हुआ कि न्यायपालिका, केंद्र सरकार के प्रभाव में काम कर रही है या उसके अनुकूल निर्णय कर रही है। विधायिका और न्यायपालिका में नजदीकियां हाल के दिनों में बढ़ती हुई दिखाई दी हैं। पाठकों के लिए जानना दिलचस्प होगा कि उच्च न्यायालय /उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्तियां स्वयं न्यायाधीशों के कॉलेजियम की सिफारिश पर सरकार द्वारा की जाती है। सरकार की भी सहमति आवश्यक हो जाती है। कई मामले ऐसे आए हैं, जब उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद , सरकार ने कुछ न्यायाधीशों को नियुक्त नहीं किया। केंद्र सरकार, न्यायाधीशों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर भी बहुत प्रभावी कार्यवाही नहीं कर पाई है ,क्योंकि न्यायाधीशों को संविधान के अंतर्गत सुरक्षा प्रदान की गई है। इसी के चलते, जब कभी न्यायाधीशों के विरुद्ध महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तो वह या तो संसद तक पहुंच ही नहीं पाई और जब पहुंची भी, तो महाभियोग के निर्णय के पहले ही संबंधित न्यायाधीश ने इस्तीफा दे दिया। आज तक किसी भी न्यायाधीश को महाभियोग के माध्यम से नहीं हटाया जा सका है। कुल मिलाकर, जजों की नियुक्ति एवं उनको हटाने का काम भी राजनीति से अछूता नहीं रह गया है। न्यायमूर्ति केशव वर्मा का ताजा उदाहरण सामने है जब उनके आवास से करोड़ों के अध जले नोट बरामद होने पर भी केवल उनका स्थानांतरण दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में किया गया।

न्यायालय किस प्रकार से सरकार के गलत कामों को रोकने में प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, इसका उदाहरण इलेक्टोरल बॉन्ड सम्बन्धी निर्णय में सामने आया था। इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना को तो उच्चतम न्यायालय ने असंवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया, किंतु हजारों करोड़ रुपये जो राजनीतिक दलों तक पहुंचा उसके बारे में कोई निर्णय न्यायालय ने नहीं दिया। इसका अर्थ यह हुआ कि असंवैधानिक और गैरकानूनी योजना के माध्यम से राजनैतिक दलों, विशेषकर सत्ताधारी दल को मिला धन उनके ही पास रहा। इसी प्रकार चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में मतगणना में हेराफेरी के वीडियो प्रमाण मिलने पर, सुप्रीम कोर्ट ने परिणाम को तो ठीक कर दिया, किंतु गड़बड़ी करने वाले अनिल मैसी पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसे सत्ताधारी दल के प्रति उदारता ही माना जा सकता है ।

सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के घर पर प्रधानमंत्री का गणेश पूजा के समय जाना और आरती करना आश्चर्य की बात थी। जब प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश के घर जाएंगे तो उनकी मंशा के बारे में चर्चा स्वाभाविक है। इसका प्रभाव महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों पर होने की संभावना बन जाती है। कुछ वर्षों में यह भी देखा गया है कि सरकार अपनी विचारधारा में विश्वास रखने वाले न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रमुखता से कर रही है। यही न्यायाधीश लंबे समय तक उच्च न्यायपालिका में रहेंगे और मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के पदों तक पहुंचेंगे। जब न्यायाधीश बनाना ,उपकार का रूप मान लिया जाता है तो फिर उस उपकार का ऋण, समय आने पर चुकाने का प्रयास तो किया ही जाता है।

न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार की स्वीकारोक्ति स्वयं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी करते रहे हैं। विख्यात वकील प्रशांत भूषण ने तो सुप्रीम कोर्ट के भ्रष्ट न्यायाधीशों के नाम, सील बंद लिफाफे में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश को सौंपे थे ,किंतु उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

"वन नेशन वन इलेक्शन" का कानून बनाने का बिल जब संसद में गया तो वहां पर संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया। हाल ही में संयुक्त संसदीय समिति ने सर्वोच्च न्यायालय में जाकर मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ इस विषय पर चर्चा करने का कार्यक्रम बनाया था। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की सहमति से ही बना होगा। जब कपिल सिब्बल ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से इस पर आपत्ति की, तो संसदीय समिति का कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। अगले दिन सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे निरस्त कर दिया। वैसे भी इस प्रकार की चर्चा करना न्यायिक दृष्टि से कतई उचित नहीं था ,क्योंकि यह प्रकरण, अंतत: निर्णय हेतु सर्वोच्च न्यायालय के पास ही आएगा। यदि न्यायाधीश कानून बनाते समय ही चर्चा में शामिल हो जाते, तो निर्णय की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाती। अब हम उस प्रकरण की बात करेंगे ,जो आजकल सर्वाधिक चर्चा में है और जिस पर पूरा देश आंदोलित है। यह है, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का प्रकरण। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कई सुनवाई के बावजूद एस आई आर पर स्थगन नहीं दिया। यह मामला लगभग डेढ़ वर्ष से उच्चतम न्यायालय में लंबित है और वहां पर अनेक बार बहस हो चुकी है। योगेंद्र यादव, ए डी आर और अन्य राजनीतिक दलों ने एस आई आर की असंवैधानिकता और इसकी अनेक खामियों के बारे में न्यायालय में कई बार बहस की, किंतु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक नहीं लगाना, एक रहस्य बनकर रह गया है।

जब कोई अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन भली भांति नहीं करे, जिसके कारण नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन हो, तो उसकी रक्षा के लिए न्यायपालिका बचाव में आती रही है। आवश्यक होने पर न्यायाधीश, अदालत की अवमानना की कार्यवाही भी करते हैं और अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी बुलाते हैं। कार्यपालिका और विधायिका को निरंकुश होने से रोकने में न्यायपालिका की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बिहार में जहां सबसे पहले एस आई आर के माध्यम से जिन लोगों के नाम मृतक बता कर काट दिए गए, उनमें से कुछ व्यक्तियों को तो योगेंद्र यादव ने न्यायालय में भौतिक रूप से उपस्थित भी कर दिया था। विभिन्न प्रकार के डाक्यूमेंट्स मांग कर नागरिकों को बहुत परेशान किया जा रहा था। एस आई आर की असंवैधानिकता और इसके अंतर्गत लिए गए विभिन्न प्रकार के निर्देशों के कारण लाखों मतदाताओं के नाम काटने के बारे में माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसके बावजूद एस आई आर को जारी रहने दिया। अब यह पूरे देश में कर दी गई है और लगभग साढे तेरह करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।

इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट से अब यह स्पष्ट हो चुका है कि चुनाव आयोग के नाम पर जो भी निर्णय लिए गए , वे निर्णय वास्तव में आयोग के नहीं अपितु अकेले ज्ञानेश कुमार के थे। शेष दोनों आयुक्तों ने कई निर्णयों पर आपत्ति भी जताई थी। अब पोल खुलने के बाद और व्यापक जन आंदोलन के कारण कई निर्णय आयोग ने बदल दिए। यही तथ्य सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि पहले वाले निर्णय एकदम गलत थे। चुनाव आयोग ने स्वयं सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार किया है कि एस आई आर कराने का कोई निर्णय चुनाव आयोग ने नहीं लिया था। चुनाव आयोग के सारे निर्णय अकेले ज्ञानेश कुमार अपने स्तर पर ले रहे थे। इन विषयों के बारे में कभी आयोग की बैठक ही नहीं हुई जबकि ऐसा करना कानूनन अनिवार्य था। आगामी सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से रिकॉर्ड मांगा है। केवल इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय एस आई आर की प्रक्रिया पर रोक लगा सकता है कि सभी निर्णय आयोग के नहीं अपितु अकेले ज्ञानेश कुमार के थे। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का काम केवल संसद द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित करके ही हो सकता है, जो संख्या बल के समीकरण के आधार पर अभी संभव नहीं है।

अब केवल एक ही रास्ता बचता है कि ज्ञानेश कुमार जनता के दबाव में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दें। इसके लिए कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा मुंबई में गांधी जयंती पर बहुत विशाल प्रदर्शन किया गया। दिल्ली में भी 2 अक्टूबर से लगातार प्रदर्शन जारी है। 3 अक्टूबर के प्रदर्शन में तो विख्यात वकील कपिल सिब्बल, सूचना के अधिकार की प्रमुख कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज, "आइसा" अध्यक्ष नेहा बोरा, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण आदि कई लोग सम्मिलित हुए। इन्हें सड़कों पर घसीटकर बसों में बलपूर्वक ठूंस कर दिल्ली से बाहर ले जाकर छोड़ दिया गया। इस प्रकार विरोध प्रदर्शन को कुचलने का काम तो ब्रिटिश सरकार के समय भी नहीं होता था। सरकार को शायद यह समझ में नहीं आ रहा है कि जितना इस आंदोलन को दबाया जाएगा, उतना ही यह विकराल रूप लेता जाएगा। ज्ञानेश कुमार को अब तक नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए था। शायद वे सरकार के इशारे का इंतजार कर रहे हैं।

यह स्वाभाविक भी है क्योंकि ज्ञानेश कुमार जो भी कर रहे है वह सत्ताधारी दल की इच्छानुसार ही कर रहे हैं। यदि सर्वोच्च न्यायालय चाहता है कि देश मे जन आंदोलन विकराल रूप न ले, तो उसे तत्काल संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए एस आई आर को निरस्त कर देना चाहिए। साथ ही जून, 2025 की मतदाता सूचियों को बहाल करने का आदेश देना चाहिए। चुनाव आयोग की सभी पत्रावलियों में देखें कि क्या एस आई आर संबंधी जो भी निर्णय लिए गए, वे सभी चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए या नहीं? यदि ऐसा नहीं हुआ तो देश अराजकता की स्थिति में बढ़ सकता है जो न लोकतंत्र के लिए अच्छा है न देश के लिए। देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना सर्वोच्च न्यायालय का दायित्व बन जाता है।

यह एक ऐसा अवसर है जब माननीय उच्चतम न्यायालय की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। उसके लिए यह अवसर भी है कि वह अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करे और यह सिद्ध करे कि संविधान के निर्माताओं द्वारा जो विश्वास न्यायपालिका में व्यक्त किया गया, वह गलत नहीं था और आवश्यकता पड़ने पर न्यायपालिका भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने में अब भी उतनी ही सक्षम है जितने पहले थी। एक प्रकार से यह समय न्यायपालिका की अग्नि परीक्षा का है।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ये प्राइवेट स्कूल हैं या नाथी का बाड़ा!

आरटीई का उद्देश्य गरीबों की शिक्षा था, लेकिन क्या व्यवस्था कहीं भटक तो नहीं गई ?



सुनील दत्त गोयल

कुछ वर्ष पहले राजस्थान सरकार ने शिक्षा के अधिकार यानी आरटीई के तहत निजी स्कूलों में वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए प्रवेश की व्यवस्था लागू की। इसका उद्देश्य बिल्कुल सही था। ऐसे बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ने का अवसर मिले और आर्थिक स्थिति उनकी शिक्षा के रास्ते में बाधा न बने।

लेकिन सवाल यह है कि इस व्यवस्था को लागू करते समय क्या निजी स्कूलों की वास्तविक परिस्थितियों और सरकार की अपनी जिम्मेदारियों पर पर्याप्त विचार किया गया? राजस्थान में बड़ी संख्या में निजी स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी जमीन, भवन और संसाधन अपने पैसे से खड़े किए हैं। उन्होंने भवन निर्माण, फायर सेफ्टी, स्थानीय विकास प्राधिकरण की अनुमति, बोर्ड की मान्यता, शिक्षकों की योग्यता और वेतन सहित तमाम नियमों और अनुपालनों को पूरा किया है। इसके बावजूद इन स्कूलों पर सरकार की तरफ से लगातार नए नियम और शर्तें लागू होती रहती हैं।

यहां एक बात स्पष्ट करना जरूरी है। जिन स्कूलों को सरकार से जमीन, आर्थिक सहायता या अन्य विशेष सुविधाएं मिली हैं, उनके लिए अलग नियम या अलग दृष्टिकोण हो सकता है। लेकिन जिन निजी स्कूलों ने पूरी तरह अपने संसाधनों से व्यवस्था खड़ी की है, उनके साथ नीति बनाते समय यह अंतर जरूर देखा जाना चाहिए।

आरटीई में सबसे बड़ी समस्या कहां पैदा हुई?

आरटीई का मूल उद्देश्य गरीब और वंचित बच्चों को शिक्षा का अवसर देना था। लेकिन व्यवहार में कई बार ऐसे परिवार भी इस व्यवस्था का लाभ उठाते दिखाई देते हैं जो वास्तव में आर्थिक रूप से कमजोर नहीं हैं, लेकिन सरकारी व्यवस्था में उनकी पहुंच या जानकारी मजबूत है। कई बार अभिभावक सरकारी स्तर से अनुशंसा या आवंटन लेकर अपने घर के आसपास के प्रतिष्ठित निजी स्कूल में बच्चे का प्रवेश चाहते हैं। स्कूल के पास सरकार की ओर से आया आदेश है, इसलिए उसे प्रवेश देना पड़ता है।

एक दूसरी समस्या बच्चे के शैक्षिणक स्तर की है। मान लीजिए कोई बच्चा नर्सरी, केजी या पहली कक्षा में उस स्कूल की नियमित व्यवस्था से नहीं पढ़ा है और बाद की कक्षा में आरटीई के माध्यम से सीधे प्रवेश ले लेता है। उस कक्षा में पहले से पढ़ रहे बच्चों का शैक्षिणक स्तर अलग हो सकता है। ऐसे में शिक्षक के लिए उस बच्चे को उसी स्तर पर लाना आसान नहीं होता। इसका असर केवल शिक्षक पर नहीं पड़ता, बल्कि पूरी कक्षा की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। इसलिए आरटीई में सिर्फ प्रवेश सुनिश्चित करना ही पर्याप्त नहीं है। बच्चे के शैक्षिणक स्तर, उसकी जरूरत और उसे अतिरिक्त सहायता देने की व्यवस्था पर भी ध्यान देना जरूरी है।

अभिभावक संघ भी सवालों के घेरे में :-इसके बाद एक और समस्या सामने आती है। कुछ जगहों पर अभिभावक संघ स्कूलों पर अनुचित दबाव बनाने लगे हैं। शिकायतों, विरोधों और अलग-अलग मांगों के माध्यम से स्कूल प्रबंधन को लगातार दबाव में रखा जाता है।

अभिभावकों की शिकायतों का समाधान होना चाहिए, लेकिन शिकायत और दबाव की राजनीति में अंतर होना जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो संगठन स्कूलों के मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, वे वास्तव में संबंधित बच्चों और अभिभावकों का प्रतिनिधित्व करते हैं या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कुछ लोग केवल स्कूल प्रबंधन पर दबाव बनाने के लिए ऐसे संगठनों का इस्तेमाल कर रहे हों?

सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी: भुगतान -आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश मिलने के बाद बच्चे की शिक्षा, किताबें, यूनिफॉर्म, जूते और दूसरी आवश्यकताओं का खर्च भी स्कूल को उठाना पड़ता है। इसके बदले सरकार की ओर से होने वाले सूक्ष्म भुगतान में देरी की शिकायतें भी लंबे समय से सुनने को मिलती रही हैं।

अगर किसी स्कूल को महीनों या वर्षों तक उसका वैध भुगतान समय पर नहीं मिलता, तो उसका सीधा असर स्कूल की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। आखिर निजी स्कूल भी एक संस्था है। वहाँ शिक्षक हैं, कर्मचारी हैं, बिजली-पानी का खर्च है, भवन का रखरखाव है और दूसरे प्रशासनिक खर्च हैं। सरकार यदि किसी निजी संस्था से अनावश्यक अपनी नीति लागू करवा रही है, तो उस संस्था को उसका उचित भुगतान समय पर करना भी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। सबसे दुखद बात यह है कि आरटीई के तहत प्रत्येक कक्षा की 25 प्रतिशत सीटें निर्धारित वर्ग के बच्चों के लिए रखी जाती हैं। उदाहरण के लिए, 300 बच्चों की कक्षा में 75 बच्चों तक को के तहत प्रवेश दिया जा सकता है। लेकिन जिन निजी स्कूलों की जमीन, भवन और पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर संचालकों ने अपने पैसे से खड़ा किया है, उन पर इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को कम या बिना शुल्क पढ़ाने की जिम्मेदारी डालने से उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

ऐसे में सवाल है कि राजस्थान में कौन निजी निवेशक शिक्षा के क्षेत्र में पैसा लगाएगा और नए स्कूल या बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगा? शिक्षा की गुणवत्ता के लिए लगातार निवेश जरूरी है। इसलिए सरकार को निजी स्कूलों को दबाव में लाने के बजाय ऐसा संतुलित मॉडल बनाना चाहिए, जिसमें गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, स्कूलों को समय पर भुगतान हो और निजी निवेश भी प्रोत्साहित हो। निजी क्षेत्र को समस्या नहीं, शिक्षा व्यवस्था का सहयोगी समझना होगा।

सरकार अपने स्कूलों की हालत भी देखे :-यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि निजी स्कूलों पर नियम लागू करने वाली सरकार क्या अपने सरकारी स्कूलों की स्थिति पर भी उतनी ही सख्ती से नजर डालती है?

अक्सर खबरें आती हैं कि किसी सरकारी स्कूल की इमारत जर्जर है, कहीं पानी की समस्या है, कहीं शौचालय की कमी है, कहीं भवन ही पर्याप्त नहीं है और कहीं बच्चों को पेड़ के नीचे पढ़ना पड़ रहा है। अगर निजी स्कूलों से भवन, फायर सेफ्टी, शिक्षकों की योग्यता, वेतन, इंफ्रास्ट्रक्चर और तमाम मानकों को पूरा करने की अपेक्षा है, तो सरकारी स्कूलों में भी इन मानकों का पालन उतनी ही गंभीरता से होना चाहिए।

समाधान निजी स्कूल बंद करना नहीं है :-भारत जैसे देश में निजी स्कूलों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। लाखों बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं और लाखों परिवारों की शिक्षा व्यवस्था इन पर निर्भर है।

इसलिए सरकार की नीति ऐसी होनी चाहिए जिससे निजी स्कूलों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए, लेकिन बच्चों के अधिकार और शिक्षा की गुणवत्ता से भी समझौता न हो। आरटीई का उद्देश्य गरीब बच्चे को अच्छे स्कूल तक पहुंचाना था, न कि निजी स्कूलों को प्रशासनिक दबाव में लाना। सरकार को चाहिए कि आरटीई में वास्तविक रूप से आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित बच्चों की पहचान की व्यवस्था मजबूत करे। फर्जी या गलत तरीके से लाभ लेने वालों पर रोक लगे। बच्चे के प्रवेश के साथ उसकी शैक्षिणक जरूरतों के लिए भी सहायता मिले। और निजी स्कूलों को मिलने वाला सरकारी भुगतान उचित एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार अपनी शिक्षा व्यवस्था को इतना मजबूत बनाए कि माता-पिता केवल इसलिए निजी स्कूलों की ओर न जाएं क्योंकि सरकारी स्कूलों में उन्हें बेहतर सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। दुनिया के कई विकसित देशों में शिक्षा और स्वास्थ्य की बड़ी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। भारत में भी सरकार को इसी दिशा में अपनी सरकारी व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। अगर सरकार चाहती है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, तो पहला सवाल यह नहीं होना चाहिए कि निजी स्कूल को कैसे नियंत्रित किया जाए। पहला सवाल यह होना चाहिए कि सरकारी स्कूल इतना अच्छा कैसे बनाया जाए कि हर अभिभावक अपने बच्चे को वहां पढ़ाना चाहे।

निजी स्कूलों को नियमों के दायरे में रखना जरूरी है, लेकिन उन्हें लगातार हतोत्साहित करना समाधान नहीं है। अगर निजी क्षेत्र का निवेश और भागीदारी शिक्षा के क्षेत्र से धीरे-धीरे बाहर होने लगी, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान आखिरकार बच्चों और सरकार, दोनों को ही उठाना पड़ेगा। आरटीई का उद्देश्य निजी स्कूलों को कमजोर करना नहीं, बल्कि हर बच्चे को बेहतर शिक्षा का अवसर देना होना चाहिए।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

शिक्षा नीति: सब कुछ मिलेगा, सिवाय शिक्षा के



प्रोफेसर अशोक कुमार

■ शिक्षा पर एक व्यंग्य...

एक शिक्षण संस्थान ने एक बहुत बड़े मंत्री जी को अपने संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ऊपर भाषण देने के लिए बुलाया। मंत्री महोदय ने कहा कि वह बिल्कुल पढ़े-लिखे नहीं है इसलिए उनको जो भी भाषण देना है वह आप लिख कर दे ताकि वह उसको शिक्षण संस्थान में वैसे ही बोल दे। शिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने शिक्षा नीति के ऊपर अच्छा सा भाषण तैयार करके मंत्री जी को भेज दिया। मंत्री जी जब शिक्षण संस्थान में भाषण देने के लिए गए तब उन्होंने प्राचार्य महोदय से पूछा कि भाषण में अपने शिक्षा नीति के बारे में सब बहुत अच्छी-अच्छी बातें लिखी हैं लेकिन आपने यह नहीं लिखा की शिक्षा नीति में क्या कमी है या इसमें क्या कमजोरी है या इसमें क्या चीज मिसिंग है। ऐसा कौन विषय हैं जो कि इस नई शिक्षा नीति में नहीं है। प्राचार्य महोदय ने शिक्षा मंत्री से कहा की पहली बार देश में ऐसी नीति आई है जिसमें सिर्फ छात्रों की सिर्फ भलाई भलाई है! छात्रों का कोई भी नुकसान नहीं है। इस नीति से उनका सर्वांगीण विकास होगा। मंत्री जी संस्थान से बहुत प्रभावित दिख रहे थे। मंत्री जी ने कॉलेज में प्रवेश किया और उसके बाद छात्रों के बीच में भाषण शुरू कर दिया। फूल, माला और तालियों के साथ उनका सम्मान हुआ। मंत्री महोदय बहुत ज्यादा भावुक हो गए। उन्होंने अपना भाषण भी शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं के स्वास्थ्य के लिए हम छात्रों को साइकिल प्रदान कर रहे हैं , क्योंकि साइकिल की सवारी स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी होती है। और इसलिए आप देखिएगा कि धीरे-धीरे विश्व में साइकिल की संख्या बहुत बढ़ जाएगी। अत: हमने यह तय किया है कि हर विद्यालय में सभी बच्चों को साइकिल के पंचर बनाने का कौशल विकास का एक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह हमारी एक योजना है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को रोजगार भी मिलेगा और देश मे बेरोजगारी कम हो जाएगी। इसी प्रकार से आप जानते हैं आजकल विश्व भर में जलवायु, में परिवर्तन हो रहा है , ग्लोबल वार्मिंग हो रही है और समय-बेसमय पर पानी बरसता रहता है। इसलिए इस मौसम में लोग चाय और पकौड़ी खाना पसंद करते हैं।

अत: हमने यह भी निश्चित किया है कि प्रत्येक विद्यालय में छात्रों को पकौड़ी तलना भी सिखाया जाएगा ताकि उनको पकौड़ी तलने का कौशल प्राप्त होगा जिसे वह अपना एक रोजगार भी बना सकते हैं। इसी तरह से हमने सभी छात्रों के लिए एक बैंक में अकाउंट भी खोल दिया है और इस अकाउंट में वह कितने घंटे अपने विद्यालय, महाविद्यालय, विश्व विद्यालय में पढ़ेंगे या रहेंगे, उसे वह अपनी इस बैंक मे जमा करवा सकते हैं। उनकी सुविधा के लिए बैंक अकाउंट खोलने के साथ-साथ उनको एक एटीएम कार्ड भी इशू किया जाएगा वह जब चाहे एटीएम कार्ड से अपने पढ़ाई के घंटे को निकाल सकते हैं और कहीं भी खर्च कर सकते हैं।

उन्होंने इस प्रकार से विद्यार्थियों को बताया की नई नीति में आप विद्यालय में जब आए तब आए जब चले जाना चाहे तब चले जाएं आपके कोई रोक-टोक नहीं है। छात्र मंत्री जी के भाषण से अत्यंत प्रभावित हुए। लगभग 1 घंटे भाषण के बाद मंत्री जी बहुत प्रसन्न मुद्रा में शिक्षण संस्थान से वापस जाने लगे। लेकिन जाने से पहले उन्होंने प्राचार्य से पूछा कि अब तो सब भाषण भी समाप्त हो गया , अब तो कम से कम बता दीजिए की शिक्षा नीति में क्या कमी है ? प्राचार्य ने हाथ जोड़ कर बड़ी विनम्रता से मंत्री जी से बताया की शिक्षा नीति में सिर्फ छात्रों का सर्वांगीण विकास ही है। बस कमी सिर्फ़ एक चीज़ की है , मंत्री जी ने बड़े उत्साहित होकर पूछा कौन सी कमी है। प्राचार्य महोदय ने बताया इस नीति में सिर्फ शिक्षा की कमी है। युवाओं का सर्वांगीर्ण विकास हो रहा है लेकिन शिक्षा नहीं प्रदान की जा रही है।

प्रोफेसर अशोक कुमार
पूर्व कुलपति गोरखपुर , कानपुर विश्वविद्यालय

हरियाणा में चल रहे ट्रक का बीकानेर में चालान काटा

■ पीड़ित वाहन मालिक ने प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर को आपत्ति पत्र प्रस्तुत कर किया

बीकानेर, (निसं)। परिवहन विभाग में नियम विरुद्ध और बिना भौतिक जांच के ई-चालान काटने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के समय राजस्थान की सीमा से बाहर हरियाणा में स्थित एक चार चक्का ट्रक का बीकानेर बाईपास पर फर्जी चालान जारी कर दिया गया। इस संबंध में पीड़ित वाहन मालिक द्वारा एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा के माध्यम से प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर को एक औपचारिक कानूनी आपत्ति पत्र प्रस्तुत कर चालान को निरस्त करने तथा दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन स्वामी ओमप्रकाश, निवासी, बहबलपुर, हिसार, हरियाणा के 4-चक्का ट्रक का चालान बीकानेर बाईपास पर परिवहन निरीक्षक कपिल देव चौधरी द्वारा काट दिया गया। जबकि, उसी तारीख को दोपहर 1:31 बजे उक्त वाहन हरियाणा के हिसार स्थित लैंडहरी टोल प्लाजा से गुजर रहा था, जिसकी फास्टैग/टोल रसीद और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मौजूद हैं। भौगोलिक दृष्टि से मात्र 4 घंटे के भीतर बीकानेर से हिसार पहुंचना किसी भी सूरत में संभव नहीं है।

ई-चालान पोर्टल पर अपलोड की गई फोटो स्पष्ट रूप से किसी 10-चक्का ट्रक की है, जबकि प्रार्थी का पंजीकृत वाहन 4-चक्का ट्रक है। इससे साफ जाहिर होता है कि परिवहन निरीक्षक द्वारा बिना किसी जांच-पड़ताल और भौतिक सत्यापन के, केवल नंबरों की हेराफेरी या घोर लापरवाही के चलते यह फर्जी चालान जारी किया गया है।

मामले की पैरवी कर रहे बीकानेर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के प्रतिनिधि एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर आम जनता और वाहन स्वामियों का प्रशासनिक उत्पीड़न है। जब वाहन बीकानेर में मौजूद ही नहीं था और पोर्टल पर फोटो भी किसी अन्य 10-चक्का वाहन की लगी है, तब भी चालान जारी कर देना परिवहन विभाग निरीक्षक की घोर लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है। हमने प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर के समक्ष वाहन स्वामी की ओर से कानूनी आपत्ति पत्र के साथ लैंडहरी टोल प्लाजा की रसीद व प्रस्तुत कर दी है। हमारी मांग है कि इस अवैध चालान को अविलंब निरस्त किया जावे और बिना जांच किए फर्जी चालान बनाने वाले संबंधित परिवहन निरीक्षक कपिल देव चौधरी के विरुद्ध विभागीय व अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। यदि विभाग द्वारा जल्द न्याय नहीं दिया गया तो हम इस मामले को उच्च अधिकारियों एवं न्यायालय के समक्ष ले जाएंगे।

राशिफल रविवार 6 अक्टूबर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत-2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 12:14 तक, परिद्य योग दिन 12:32 तक, तैतिल करण सायं 4:53 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:32 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवि पुष्य योग रात्रि 12:14 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 12:14 से आरम्भ होगा। आज मातृ नवमी का श्राद्ध और सौभाग्य वतीना श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर 7:52 से 9:20 तक, लाभ अमृत 9:20 से 12:16 तक, शुभ 1:40 से 3:07 तक

राहुकाल- 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:07



मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।



सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

संक्षिप्त

डाक अदालत का आयोजन कल

उदयपुर, (कासं)। डाक विभाग के तत्वावधान में 7 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे मंडल स्तर पर चेटक सर्कल स्थित प्रवर अधीक्षक, प्रधान डाकघर में डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। डाक अदालत में डाकघर काउंटर सेवा, मनी ऑर्डर, बचत बैंक, मूल्यदेय वस्तुएं, पार्सल एवं बीमा वस्तुएं, डाक जीवन बीमा तथा विदेश डाक वस्तुओं से संबंधित जनता की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया जाएगा। डाक मण्डल के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि उदयपुर मंडल के अधीन आने वाले डाकघरों के उपभोक्ताओं को उनकी शिकायतों का अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं मिला है, वे अपनी शिकायत का पूर्ण विवरण निर्धारित प्रारूप में 7 अक्टूबर तक चेटक सर्कल, उदयपुर-04 स्थित कार्यालय, प्रवर अधीक्षक डाकघर को प्रेषित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता 7 अक्टूबर को आयोजित डाक अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी उपस्थित हो सकते हैं। शिकायत के लिए शिकायतकर्ता का नाम व पता, जिस कार्यालय में प्रथम बार शिकायत दर्ज करवाई गई उसका नाम, शिकायत का पूर्ण विवरण तथा प्राप्तकर्ता का नाम व पता देना आवश्यक होगा।

दाऊदी बोहरा जमात की बैठक

उदयपुर, (कासं)। सुधारवादी बोहरा समुदाय से संबंधित दाऊदी बोहरा जमात की सालाना आम बैठक में जमात के अध्यक्ष इकबाल हुसैन रस्सावाला ने जमात से जुड़े सभी इदारों का वर्षभर का सामाजिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर आमसभा की स्वीकृति प्राप्त की।उन्होंने बताया कि आने वाले समय में समाज के प्रत्येक सदस्य को यूनिक आईडी बनकर तैयार हो चुकी हैं जो जल्दी घर के मुखिया के आईडी पर भेजी जाएगी। साथ ही बच्चों और युवाओं को शिक्षा व खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करने की योजनाओ की जानकारी प्रेषित की गई। साथ ही इस साल आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता की सफलता के बारें में चर्चा की गई। इस अवसर दाऊदी बोहरा जमात ने तहरीक के लिए बहुत ही जानशीनी से काम करने वाले हज़रात का सम्मान किया गया।

विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट में शानदार प्रदर्शन

उदयपुर,(कासं)। पैसिफिक कॉलेज ऑफ फार्मेसी में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। प्रतिष्ठित कंपनी रोबोटिक्स द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित लिखित परीक्षा में कुल 20 विद्यार्थियों का चयन हुआ। इसके पश्चात आयोजित अंतिम चयन प्रक्रिया में बी.फार्मेसी एवं फार्मा डी के चौथे वर्ष के कुल 6 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया। पाहेर यूनिवरसिटी के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, रजिस्ट्रार शरद कोठारी, ग्रुप प्रेसिडेंट डॉ. बी.पी. शर्मा एवं प्रेसिडेंट डॉ. हेमंत कोठारी ने विद्यार्थियों के इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कैंपस प्लेसमेंट विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एफएसटीपी केवल एक प्लांट नहीं, बल्कि स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है : के.के. गुप्ता

उदयपुर, (कासं)। स्वच्छ और स्वस्थ शहरों की दिशा में राजस्थान अब फीकल स्लज के वैज्ञानिक प्रबंधन को और मजबूत करने की तैयारी में है। सेप्टिक टैंक और पिट से निकलने वाले मल-कीचड़ के सुरक्षित उपचार एवं निस्तारण के लिए प्रदेश में तेजी से फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में 200 से अधिक फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस व्यवस्था को विस्तार दिया जा रहा है। इन प्लांट के बेहतर संचालन, रखरखाव और वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर सोमवार को उदयपुर में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों के आयुक्त, अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए।



उदयपुर में आयोजित फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की विशेष कार्यशाला आयोजित हुई।

- एफएसटीपी के माध्यम से मल-कीचड़ का वैज्ञानिक उपचार होने से जलस्रोतों और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलेगी : गुप्ता

कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्वच्छता के ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता, जयपुर के मनीष अरोड़ा, एसबीएम के प्रदीप गर्ग सहित अन्य अधिकारी मंचासीन रहे। विशेषज्ञों ने एफएसटीपी के संचालन, फीकल स्लज व सेप्टेज मैनेजमेंट, परिवहन, रखरखाव, उपचार और सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। स्वच्छता के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करते हुए केके गुप्ता ने कहा कि एफएसटीपी केवल एक प्लांट नहीं, बल्कि पूरी स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। सेप्टिक टैंक से स्लज उठाने से लेकर उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने, वैज्ञानिक तरीके से उपचार करने और उपचारित सामग्री के सुरक्षित उपयोग या निस्तारण तक पूरी व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एफएसटीपी का विस्तार स्वच्छता व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम है। अब जरूरत है कि प्रत्येक निकाय अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों के अनुसार प्लांट का बेहतर संचालन करे और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करे।

गुप्ता ने बताया कि एफएसटीपी की योजना बनाते समय केवल जनसंख्या को आधार बनाने के बजाय क्षेत्र की वास्तविक जरूरत को भी समझना चाहिए। कितने परिवार सेप्टिक टैंक या पिट का उपयोग करते हैं, कितने परिवार सीवरेज नेटवर्क से जुड़े हैं, सेप्टिक टैंक कितने समय में खाली होते हैं और क्षेत्र में प्रतिदिन या प्रतिमाह कितना फीकल स्लज निकलता है-इन सभी पहलुओं का अध्ययन प्लांट की बेहतर योजना में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरत अलग हो सकती है, इसलिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मॉडल तैयार करने से एफएसटीपी की क्षमता का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

केके गुप्ता ने कहा कि जहां एफएसटीपी पहले से संचालित हैं, वहां आसपास के क्षेत्रों की जरूरत को भी उससे जोड़ा जा सकता है। इससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होगा और वैज्ञानिक स्लज प्रबंधन का दायरा बढ़ेगा। भविष्य में सीवरेज नेटवर्क के विस्तार को भी ध्यान में रखते हुए एफएसटीपी की योजना बनाना उपयोगी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि प्लांट के संचालन की नियमित मॉनिटरिंग के साथ यह भी देखा जाए कि कितना स्लज प्राप्त हो रहा है, उपचार की प्रक्रिया सुचारू है या नहीं और उपचारित सामग्री का सुरक्षित निस्तारण किस प्रकार किया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को सफल बनाने में आमजन की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सेप्टिक टैंक की समय पर सफाई करवाना, अधिकृत एजेंसी से स्लज उठवाना और उसे निर्धारित एफएसटीपी तक पहुंचाना स्वच्छता की पूरी श्रृंखला का हिस्सा है। इसके लिए निकायों को आमजन में जागरूकता बढ़ाने के साथ अधिकृत डीसूगीग व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि जल, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से सीधे जुड़ी व्यवस्था है। एफएसटीपी के माध्यम से मल-कीचड़ का वैज्ञानिक उपचार होने से जलस्रोतों और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलेगी। कार्यशाला में अधिकारियों ने एफएसटीपी के बेहतर संचालन और फीकल स्लज सेप्टेज मैनेजमेंट को प्रभावी बनाने के लिए आपसी अनुभव भी साझा किए। राजस्थान में विकसित हो रही इस व्यवस्था को निकायों के स्तर पर मजबूत करने और स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर मॉडल तैयार करने पर जोर दिया।

राजसमंद की बालिका टीम ने 14 वर्ष छात्रा वर्ग में सिल्वर पदक जीता

राजसमंद, (निसं)। 70वीं राज्य स्तरीय 14 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में राजसमंद की बालिका टीम ने 14 वर्ष छात्रा वर्ग में सिल्वर पदक जीता। प्रतियोगिता राउप्रावि काजा का गोलिया में आयोजित हुई है। टीम ने सेमीफ ाइनल में 5-4 से अजमेर को हरा कर फ ाइनल में पहुंची फ ाइनल में टीम हनुमानगढ से हार गई व दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम कोच वी पी सिंह चुण्डावत जितेंद्र सिंह चुंडावत, लक्ष्मण गुर्जर, दौलत राम, पंकज गाडरी, अशोक, सुनीता जाखड, मैनेजर संजू कंवर भाटी ने बताया कि मैच की शुरुआत से टीम ने आक्रामक खेल दिखाया।

रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

उदयपुर, (कासं)। पंचायती राज चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण जिला परिषद सभागार में हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित प्रशिक्षण में अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों, दायित्वों एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्र सिंह राठौड भी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने अधिकारियों को कहा कि पंचायती राज चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की जमीनी कडी हैं, इसलिए निर्वाचन प्रक्रिया से जुडे प्रत्येक अधिकारी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में निष्पक्षता, पारदर्शिता और नियमों का अक्षरश: पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे निर्वाचन से संबंधित सभी प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन कर लें, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी स्थिति में निर्णय लेने में कठिनाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हैं। नामांकन से लेकर जांच, नाम वापसी, मतदान और मतगणना तक प्रत्येक चरण में निर्धारित नियमों एवं निर्देशों की पालना सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या अस्पष्टता की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए।

कार्यालय नगर परिषद, राजसमन्द
जिला-राजसमन्द

क्र: नपरा/राजस्व/2026-27/5177 दि. 13.7.2026

आपत्ति सूचना पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ताराचन्द पालीवाल पिता श्री तुलसीराम पालीवाल निवासी जावद तहसील व जिला-राजसमन्द द्वारा ऑनलाईन क्रमांक 89809 से पैतृक/खरीदशुदा से प्राप्तशुदा आवासीय/वाणिज्य पट्टेशुदा भूखण्ड/मकान जो राजस्व ग्राम-टुंकड़ा खुर्द के आराजी नं. 239/205, 238/205 में पट्टा संख्या 224 दिनांक 21.12.2012 भूखण्ड संख्या- का क्षेत्रफल 2500.00 वर्गफीट का पट्टा जारी किया गया। आवेदक द्वारा क्रयशुदा/प्राप्तशुदा उक्त भूखण्ड सं.-2बी का क्षेत्रफल 1250.00 वर्गफीट का उपविभाजन/एकीकरण/नामान्तरण चाही गई है। जिसके पड़ौस निम्नानुसार है :-

पूर्व	:-	50'00''	पड़ौस	प्लॉट संख्या 03
पश्चिम	:-	50'00''	पड़ौस	इसी प्लॉट का शेष भाग प्लॉट संख्या 02 ए
उत्तर	:-	25'00''	पड़ौस	प्लॉट संख्या 07
दक्षिण	:-	25'00''	पड़ौस	रास्ता 80 फीट चौड़ा।

उपरोक्त आवेदित भूखण्ड/भवन का उपविभाजन/एकीकरण/नामान्तरण जारी करने में यदि किसी हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो आपत्ति सूचना प्रकाशित होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। बाद मयाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त -उदयपुर
"Salumber Chauhara, Sector 11, Udaipur

पत्र क्रमांक :- उप.आ.आ./वृत्त-उद/2026-27/752 दिनांक :- 28.9.2026

-: जाहिर आम सूचना (दौहरा रजिस्ट्री नामान्तरण) :-

आवास संख्या 4-ग-17 आयवर्ग EWS क्षेत्र 44.43 वर्ग मीटर योजना हिरण मगरी सेक्टर-4 आवासीय योजना शहर उदयपुर का श्री भंवरलाल धाकड पुत्र श्री छगनलाल धाकड को आवंटन पत्र क्रमांक 2930 दिनांक 02.07.1983 जारी कर कब्जा दिया गया। उक्त आवास का अंतिम प्रमाण पत्र क्रमांक 1934 दिनांक 12.08.2013, श्री भंवरलाल धाकड पुत्र श्री छगनलाल धाकड को जारी किया गया एवं प्रथम पंजीयन दिनांक 27.08.2013 द्वारा श्री भंवरलाल धाकड पुत्र श्री छगनलाल धाकड के पक्ष में निष्पादित कराया गया। पंजीयन उपरान्त श्री भंवरलाल धाकड पुत्र श्री छगनलाल धाकड ने उक्त आवास का विक्रय-पत्र (पंजीकृत) दिनांक 10.02.2014 द्वारा श्री प्रदीप सिंघवी पुत्र श्री अर्जुनलाल सिंघवी को बेचान किया गया एवं श्री प्रदीप सिंघवी पुत्र श्री अर्जुनलाल सिंघवी ने उक्त आवास का विक्रय-पत्र (पंजीकृत) दिनांक 03.04.2014 द्वारा श्री संजय मेहता पुत्र श्री हिम्मत सिंह मेहता को बेचान किया गया। कार्यालय पत्रांक 990 दिनांक 04.08.2015 द्वारा श्री संजय मेहता पुत्र श्री हिम्मत सिंह मेहता को नामान्तरण कार्यालय आदेश जारी किया गया। तत्पश्चात् श्री संजय मेहता पुत्र श्री हिम्मत सिंह मेहता ने पुनः उक्त आवास का विक्रय पत्र (पंजीकृत) दिनांक 13.04.2026 द्वारा श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री चंदनमल जैन एवं श्रीमती अन्जु देवी जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन को संयुक्त रूप से बेचान किया गया। श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री चंदनमल जैन एवं श्रीमती अन्जु देवी जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन ने इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास को विक्रय-पत्र (पंजीकृत) के आधार पर संयुक्त रूप से अपने नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री चंदनमल जैन एवं श्रीमती अन्जु देवी जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र मण्डल के निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत कर इस कार्यालय में निवेदन किया है कि विक्रय-पत्र (पंजीकृत) के आधार पर उक्त आवास को उनके नाम कर दिया जावें। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस के अन्दर - अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्या 4-ग-17, हिरण मगरी सेक्टर-4 आवासीय योजना, उदयपुर का नामान्तरण श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री चंदनमल जैन एवं श्रीमती अन्जु देवी जैन पत्नी श्री धर्मचन्द जैन के पक्ष में हस्तानान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त - उदयपुर

सज्जनगढ़ में नेचर ट्रेल, मूक-बधिर बच्चों ने देखा गुलाब बाग बर्ड पार्क



गुलाबबाग जन्तुआलय में भ्रमण के लिए पहुंचे मूक बधिर बच्चों के साथ वन विभाग की टीम।

उदयपुर, (कासं)। वन्यजीव सप्ताह-2026 के तहत वन विभाग की ओर से सोमवार को प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में नेचर ट्रेल आयोजित हुई, वहीं गुलाब बाग बर्ड पार्क में मूक-बधिर बच्चों के लिए नि:शुल्क भ्रमण कार्यक्रम रखा गया। सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में आयोजित नेचर ट्रेल में करीब 40 प्रकृति प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। ट्रेल गौरेला व्यू प्वाइंट से शुरू होकर महाराणा प्रताप नेचर ट्रेल होते हुए बड़ी पाल पर संपन्न हुई। इस दौरान उप वन संरक्षक, वन्यजीव, उदयपुर अनुराग कुमार भटनागर ने प्रतिभागियों को सज्जनगढ़ अभयारण्य की समृद्ध जैव विविधता से रूबरू कराया।

इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक सज्जनगढ़ सुरभि शर्मा, सहायक वन संरक्षक फुलवारी की नाल कपिल कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी सज्जनगढ़ सीताराम मीणा सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यशाला में सतत मल-कीचड प्रबंधन और ग्रामीण-शहरी समन्वय पर मंथन

उदयपुर, (कासं)। स्थानीय निकाय निदेशालय, राजस्थान एवं सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के संयुक्त तत्वावधान में उदयपुर में सतत मल-कीचड प्रबंधन, संयंत्रों की क्षमता के अनुरूप उपयोगिता, ग्रामीण-शहरी समन्वय तथा संचालन व्यवस्था को सुदृढ करने के विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं अभियंताओं ने भाग लेकर स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया।

कार्यशाला का शुभारंभ स्वच्छता अभियान के ब्रांड प्रतिनिधि के.के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक मुरारी लाल शर्मा, अधीक्षण अभियंता नगर निगम उदयपुर लखन लाल बैरवा, डॉ. गौरव सिंह तथा सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के निदेशक सुब्रत चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारियों ने किया।

कार्यशाला में सत्यनारायण वर्मा ने राजस्थान में मल-कीचड प्रबंधन की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। वहीं संयुक्त निदेशक मुरारी लाल शर्मा एवं सहायक अभियंता डॉ. गौरव सिंह ने ग्रामीण एवं शहरी स्वच्छता अभियानों के बीच समन्वय तथा उपयोग किए गए जल के प्रबंधन की प्रदेश में वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की ओर से ज्योतिप्रसाद एवं डॉ. सुमिता सिंघल ने प्रदेश के नगरीय निकायों की क्षमता बढाने तथा मल-कीचड प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। सलाहकार धेनु खट्टर ने मल-कीचड प्रबंधन के लिए प्रस्तावित क्षमता विकास कार्यशालाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्रतिभागियों से सुझाव प्राप्त किए। इसी क्रम में राहुल बंसीवाल, सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रभारी, स्वच्छ भारत मिशन शहरी ने नगरीय निकाय स्तर पर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा विभिन्न नवाचारों की जानकारी साझा की। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश एवं ओडिशा से आए विशेषज्ञों ने बिना भूमिगत मल निकासी व्यवस्था वाले क्षेत्रों में स्वच्छता प्रबंधन तथा मल-कीचड प्रबंधन के सफल अनुभव साझा किए। साथ ही उपचारित जल एवं जैव ठोस पदार्थों के पुन: उपयोग तथा मल-कीचड प्रबंधन से जुडी आधारभूत संरचनाओं के संचालन, शासन एवं निगरानी व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में प्रदेश के 70 से अधिक नगरीय निकायों के नोडल अधिकारी एवं अभियंता शामिल हुए। प्रतिभागियों ने विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा करते हुए स्थानीय स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ। अंत में स्थानीय निकाय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा सभी विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर परिषद राजसमन्द, जिला-राजसमन्द

क्रमांक:न.प.रा/2026/5045-5046 दिनांक : 30/09/2026

आपत्ती सूचना पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमलेश हिंगड पिता श्री बंशीलाल हिंगड निवासी कांकरोली तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा राजस्व ग्राम धोईन्दा खसरा नम्बर 1882 से 1884 में कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (भू.रू.) उपखण्ड अधिकारी राजसमन्द जिला राजसमन्द द्वारा पत्रावली संख्या 116/96 पट्टा संख्या 93/97 दिनांक 03.03.1997 भूखण्ड क्षैत्रफल 203.11 वर्गगजका जारी किया गया है। प्रार्थी द्वारा पट्टा सं. 93/97 भूखण्ड क्षैत्रफल 203.11 वर्गगज का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करवाना चाहते है। उक्त भू-उपयोग परिवर्तन करने में कोई आपत्ती हो तो 15 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित में मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे। बाद मियाद कोई आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद राजसमन्द

उदयपुर में बन रहा देश का पहला आर्किटेक्ट्स टावर, उद्घाटन 9 अक्टूबर को

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में शोभागपुरा रोड पर बन रहे जेके सर्कल पर बन रहा देश का पहला आर्किटेक्ट्स टॉवर लगभग बनकर तैयार हो चुका है। सोमवार को इस अद्भुत और अलग अंदाज में बनाए जा रहे सर्कल में मंगलवार को 'टाइम केप्सूल' को स्थापित किया गया। इस केप्सूल में शहरवासियों की ओर से दी गई कई ऐसी कलाओं को संरक्षित किया गया जिससे 20 साल बाद आने वाली पीढ़ियों को वो जानकारी दे सकेगी जो उदयपुर का इतिहास बन चुकी है। यह टाइम कैप्सूल 26 जनवरी 2047 को सुबह 20 साल बाद इसे बाहर निकाला जाएगा।

आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा व प्रियंका कोठारी ने बताया कि इस टाइम कैप्सूल में शहर के मनीष गोलछा ने एक एलबम दी है जो उदयपुर शहर की पुरानी इमारतें जिनमें उदियापोल चौराहा, सूरजपोल चौराहा की छतरी जैसे रेयर कलेक्शन फोटो शामिल है। वहीं उदयपुर को अर्बन के कलाकारों ने उदयपुर शहर को अलग-अलग स्कैच करके डाला है। करीब ढाई फीट लंबा व डेढ फीट चौड़े इस टाइम कैप्सूल को जमीन में डाला गया है जो करीब बीस सालों तक संरक्षित रहेगा। महाराणा कुंभा के वास्तुकार मंडन की स्मृति में बन रहे 30 फीट ऊंचे इस आर्किटेक्ट्स टॉवर का उद्घाटन आगामी 9 अक्टूबर को किया जाएगा। लगभग इस टॉवर का काम पूरा हो चुका है। देश के पहले ऐसे टॉवर की खास बात यह है कि इसमें एक तरफ वर्टिकल सन डायल (सूर्य घड़ी) लगाई गई जो सूरज की रोशनी के अनुरूप चलेगी ओर टाइम बताएगी वहीं दूसरी और रात में भी लोगों को इससे सही समय की जानकारी मिल सके इसके लिए सामान्य घड़ी लगाई गई है। यह टॉवर केवल एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसे एक एजुकेशनल लैंडमार्क के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

नियंत्रण कक्ष स्थापित

उदयपुर, (कासं)। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान जयपुर द्वारा संपादित कराए जाने वाले पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के दौरान प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों के परीक्षण एवं समय पर निस्तारण तथा सूचनाओं के संकलन एवं सम्प्रेषण के लिए जिला कलेक्ट्रेट में नियंत्रण एवं शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

चुनाव नियंत्रण कक्ष की सहायक प्रभारी रागिनी डामोर ने बताया कि यह प्रकोष्ठ जिला कलेक्टर के कमरा नंबर-219, कॉन्फ्रेंस हॉल, प्रथम तल में चुनाव समाप्ति तक संचालित रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रकोष्ठ 2407 कार्य करेगा।

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)
Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/उप.एकी./2026/6230 दिनांक : 13/08/2026

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री हितेष लोहार पिता श्री राजेश लोहार	भूखण्ड संख्या-49 क्षैत्रफल-1785 वर्गफिट, नाकोडा नगर लाल बाग, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-50	भूखण्ड संख्या-48	अन्य कृषि भूमि	30 फिट रोड

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)
Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2026/5820 दिनांक : 05/08/2026

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री शाहीद हुसैन पिता श्री अब्दुल रहमान निवासी-मोहनगढ़, बोहरा मोहल्ला, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-17 क्षैत्रफल-1575 वर्गफिट, गिरिराज दर्शन, गिरिराजपुरा, नाथद्वारा	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-21	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-18

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)
Email:np_ntd@yahoo.in Phone.02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/उप.एकी./2026/7444 दिनांक : 07/09/2026

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्रीमती हेमलता शर्मा पत्नि श्री प्रवीण शर्मा निवासी-लोधा घाटी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-30ए क्षैत्रफल-787.50 वर्गफिट, गोकुल विहार कॉलोनी, श्रीनाथ कॉलोनी पावटी रोड, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-30 बी	भूखण्ड संख्या-31	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-35
2	श्री अक्षय कुमार शर्मा पिता श्री दिनेश चन्द्र शर्मा निवासी-सुखाड़िया नगर, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-30बी क्षैत्रफल-787.50 वर्गफिट, गोकुल विहार कॉलोनी, श्रीनाथ कॉलोनी पावटी रोड, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-29	भूखण्ड संख्या-30ए	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-35

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

Name Changed
I have changed my name from Mustamsir Kamruddin Attarwala to Mustansir Attarwala. In future to be known by new name. R/o H.No. 1/A, Kharol Colony, Fatehpura Udaipur 313001.

Name Changed
I have changed my name from Fatima Mustans

चिड़ावा में विद्युत विभाग की महिला जेईएन पंद्रह हजार की रिश्वत लेते ट्रैप

कृषि कनेक्शन की लाइन बदलवाने के लिए 25 हजार रुपये मांगे थे

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) झुंझुनूं ने सोमवार को चिड़ावा में बिजली विभाग के कार्यालय में बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला जेईएन दीपिका को 15 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जेईएन पर कृषि कनेक्शन की बिजली लाइन बदलवाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम जेईएन की ऑफिस टेबल की दराज से बरामद की गई।

- **15 हजार में सौदा तय हुआ था, ऑफिस की टेबल की दराज से बरामद हुई रिश्वत की रकम**

एसीबी के एडिशनल एसपी नरेंद्र पूनिया ने बताया कि एक परिवादी ने एसीबी झुंझुनूं में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके परिचित के कृषि कनेक्शन की बिजली लाइन बदलवाने के एवज में जेईएन दीपिका की ओर से रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान जेईएन की ओर से 25 हजार रूपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद परिवादी के अनुरोध पर रिश्वत की रकम 15 हजार रूपए में तय की गई।

सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई की योजना बनाई। सोमवार को एसआई सुरेश चंद के नेतृत्व में एसीबी टीम चिड़ावा स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पहुंची। कार्रवाई के दौरान जेईएन दीपिका को 15 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसीबी ने रिश्वत की रकम बरामद कर ली। खास बात यह रही कि 15 हजार रूपए जेईएन की ऑफिस टेबल की दराज से मिले। कार्रवाई के बाद एसीबी टीम ने मौके पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की।

एसीबी के अनुसार, गिरफ्तार महिला जेईएन दीपिका को पूछताछ के लिए चिड़ावा थाने लाया गया है। यहां एसीबी अधिकारी उससे रिश्वत मांगने और लेने के संबंध में पूछताछ कर रहे हैं। साथ ही मामले में अन्य लोगों की भूमिका और संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

जोधपुर में नामचीन कंपनियों के नकली कपड़े जब्त किये

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पुलिस ने ब्रांडेड कपड़ों के नाम पर चल रहे बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया है। सरदारपुरा थाना इलाके के सरदारपुरा प्रथम बी रोड स्थित एक दुकान पर दबिश दी। पुलिस ने नामचीन कंपनियों लिवाइस, टॉमी हिलफिगर और कैल्विन क्लाइन के करीब 2200 नकली कपड़े जब्त किए।

- **लिवाइस, टॉमी हिलफिगर और कैल्विन क्लाइन के 2200 नकली कपड़े बरामद किये**

जब्त किए गए कपड़ों में जीन्स, शर्ट, लोअर, टी-शर्ट और अंडरगारमेंट्स शामिल हैं। इन पर इन ब्रांडेड कंपनियों के फर्जी लेबल लगे हुए थे। कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि अखिलेश ने अपनी टीम के साथ सहायक पुलिस आयुक्त पश्चिम कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि सरदारपुरा स्थित एक गोदाम से मेरी कंपनियों के नाम पर थोक के भाव में नकली कपड़े बेचे जा रहे हैं। इससे कंपनियों के साथ-साथ सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। शिकायत की तस्दीक करने के बाद एसीपी वेस्ट भजनलाल जांगिड़ की अगुवाई में पुलिस और कंपनी प्रतिनिधियों की टीम ने मन्नत कलेक्शन के गोदाम पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान दुकान मालिक जितेन्द्र जैन (26) पुत्र राजेंद्र जैन निवासी गोगा मंड का बास पाल गांव बोरानाडा के पास ब्रैंडेड कंपनियों से जुड़ा अनुबंध या कपड़े बेचने का वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के नकली कपड़ों को जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोटा नगर निगम के संविदाकर्मी को दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

कार्रवाई की भनक लगते ही दूसरा आरोपी संविदाकर्मी मौके से फरार हो गया

कोटा, (निसं)। भष्ट्राचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की टीम ने सोमवार को नगर निगम में ट्रेप कार्रवाई को अंजाम देते हुए नगर निगम के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा को 10 हजार की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। मामले में सामने आया कि नगर निगम के दो संविदाकर्मी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की किश्त जारी करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी। वही ट्रेप कार्रवाई की भनक लगते ही दूसरा आरोपी संविदाकर्मी नरेश वर्मा मौके से फरार हो गया, जिसकी एसीबी टीम द्वारा तलाश की जा रही है।

- **दोनों संविदाकर्मी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की किश्त जारी करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी**

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी कोटा विजय स्वर्णकार के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई। परिवादी ने शिकायत मे कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मकान निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त 50,000 रुपये में से नगर निगम कोटा के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा एवं नरेश वर्मा द्वारा रिश्वत राशि की मांग की जा रही है तथा रिश्वत राशि नहीं देने पर आगामी किश्तें स्वीकृत नहीं होने देने की धमकी दी जा रही है। एसीबी के एएसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी द्वारा प्रस्तुत शिकायत पर 1 अक्टूबर को रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी अखिलेश मीणा द्वारा 10,000 रुपये तथा आरोपी नरेश वर्मा द्वारा 5,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग किया जाना पाया गया।

एसीबी के एएसपी ने बताया कि रिश्वत राशि की मांग की पुष्टि होने के उपरांत पुलिस उप-अधीक्षक अनिष अहमद के नेतृत्व में ट्रेप दल द्वारा कार्रवाई की गई। ट्रेप कार्रवाई के दौरान नगर निगम के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा को परिवादी से नगर निगम कोटा के बाहर 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। वहीं, संविदाकर्मी नरेश वर्मा ट्रेप कार्रवाई की भनक लगते ही मौके से फरार हो गया, जिसकी एसीबी टीम द्वारा तलाश की जा रही है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी अखिलेश मीणा से पूछताछ एवं अग्रिम कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्ट्राचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा तथा फरार आरोपी नरेश वर्मा की तलाश जारी हैं।

श्री अन्नपूर्णा रसोई का पूरा भुगतान करवाने की एवज में रिश्वत ली

जयपुर/झालावाड़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झालावाड़ टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए श्री अन्नपूर्णा रसोई का पूरा भुगतान करवाने की एवज में 3 हजार रुपए रिश्वत लेते जिला परिषद झालावाड़ के संविदा कर्मी और एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा को गिरफ्तार किया है।

- **तीन हजार रुपए रिश्वत लेते जिला परिषद झालावाड़ के संविदकर्मी और एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा को गिरफ्तार किया**

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार परिवादिया नारी शक्ति सीएलएफ के माध्यम से संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई की संचालिका है। रसोई का संचालन पुरानी तहसील, बकानी में किया जा रहा है। आरोप है कि रसोई के निरीक्षण के दौरान एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा ने हर माह 3 हजार रुपए रिश्वत मांगी। राशि नहीं देने पर रसोई का भुगतान कटवाने अथवा बिल पास नहीं करवाने की धमकी देने का आरोप है।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने कथित तौर पर प्रतिदिन 10 फर्जी टोकन काटने और प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के बीच 3 हजार रुपए देने की मांग की थी। परिवादिया ने रिश्वत नहीं देने और आरोपी को रंगे हाथ पकड़वाने की इच्छा जताते हुए एसीबी में शिकायत की। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा रसोई का पूर्ण भुगतान करवाने की एवज में हर माह 3 हजार रुपए रिश्वत मांगना तथा इस माह की राशि उसी दिन देने की मांग करना सत्यापित हुआ। इसके बाद ट्रैप कार्रवाई की गई।

जिस पर एसीबी झालावाड़ चौकी के पुलिस निरीक्षक साजिद खान के नेतृत्व में टीम ने जयराम वर्मा को परिवादिया से तीन हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

अलवर : रात्रि में दुकान में घुसा मगरमच्छ, लोग दहशत में

दुकान में रखी चारपाई के नीचे छिपकर बैठ गया था मगरमच्छ

अलवर, (निसं)। अलवर में मगरमच्छ के दुकान में घुसने का एक डरावना मामला सामने आया है। सिलीसेढ़ झील के पास बख्तपुरा बावड़ी स्टैंड स्थित नवनिर्मित छावड़ी कॉम्प्लेक्स की एक दुकान में रात के समय मगरमच्छ घुस गया। वह दुकान में रखी चारपाई के नीचे छिपकर बैठ गया। सुबह दुकान में सो रहे लोगों की नजर मगरमच्छ पर पड़ी तो अफरा-तफरी मच गई।



वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को दुकान से बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार दुकान में चरण सिंह, जगत सिंह, उमेश, राजा और ऋषि चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान चरण सिंह की नजर चारपाई के नीचे गई। वहां मगरमच्छ दिखाई देते ही सभी लोग घबरा गए और तुरंत चारपाई छोडक़र दुकान से बाहर निकल आए। देखते ही देखते घटना की जानकारी आसपास के लोगों तक पहुंच गई और ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए।

ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। रेंजर शंकर सिंह शेखावत के निर्देश पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में रघुवीर गुर्जर, वनपाल सिंबू सिंह शेखावत, चरण सिंह और सुंदर सिंह शामिल रहे। टीम ने पहले लोगों को मगरमच्छ से सुरक्षित दूरी पर किया और इसके बाद सावधानी के साथ मगरमच्छ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मगरमच्छ चारपाई के नीचे होने के कारण उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। काफी मशक्कत के बाद सरिए की मदद से मगरमच्छ को चारपाई के नीचे से बाहर निकाला गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे सावधानीपूर्वक दुकान से बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान आसपास मौजूद लोगों को दूर रखा गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। इस पूरे अभियान में रघुवीर गुर्जर ने अपनी जान जोखिम में डालकर मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। टीम की सतर्कता और ग्रामीणों के सहयोग से मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से सिलीसेढ़ झील में वापस छोड़ दिया गया।

मगरमच्छ के झील में पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने लोगों से अपील की कि आबादी क्षेत्र में मगरमच्छ या कोई अन्य वन्यजीव दिखाई दे तो उसके पास जाने या उसे पकड़ने की कोशिश नहीं करें। इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि वन्यजीव को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके। सिलीसेढ़ झील के आसपास वन्यजीवों की आवाजाही को देखते हुए ग्रामीणों से सतर्क रहने को कहा गया है। इस घटना में समय रहते सूचना मिलने और वन विभाग की टीम के पहुंचने से मगरमच्छ को बिना नुकसान पहुंचाए उसके प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाया जा सका।

शादी के नाम पर अजमेर के युवक से लाखों की ठगी

अजमेर, (निसं)। माकड़वाली रोड स्थित बलदेव नगर निवासी एक युवक के साथ शादी कराने के नाम पर करीब 2 लाख 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने मामले को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर न्याय दिलाने तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पीड़ित युवक संजयने बताया कि कुछ समय पहले उसकी एक व्यक्ति से जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान उक्त व्यक्ति ने शादी कराने की बात कही और इसके बाद उसे एक युवती दिखाई गई। शादी के लिए सहमति बनने के बाद आरोपित व्यक्ति द्वारा शादी के खर्च सहित अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर उससे करीब 2 लाख 30 हजार रुपये ले लिए गए।

संजय के अनुसार, इसके बाद मंदिर में युवती के साथ उसकी शादी करवा दी गई। शादी के बाद युवती कुछ दिनों तक उसके साथ ससुराल में रही। पीड़ित का आरोप है कि कुछ समय बाद किसी बात को लेकर युवती ने परिवार के सदस्यों से विवाद किया और ससुराल छोड़कर चली गई। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि युवती के चले जाने के बाद जब उसने संबंधित लोगों से संपर्क कर मामले का समाधान कराने और अपने रुपये वापस दिलाने की मांग की, तो उसे कथित रूप से धमकाया जाने लगा। संजय का कहना है कि शादी के नाम पर उससे बड़ी रकम लेने के बावजूद अब न तो युवती उसके साथ रह रही है और न ही उसकी रकम लौटाई जा रही है। पीड़ित युवक ने पुलिस की ओर से की जा रही जांच को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि मामले में अब तक उसे अपेक्षित न्याय नहीं मिल पाया है।

बाइक चोरी के दो आरोपियों को पकड़ा

अजमेर, (निसं)। क्लॉक टावर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज और अरुण के रूप में हुई है। हैड कांस्टेबल भरत सिंह ने बताया कि क्लॉक टावर थाना क्षेत्र से बाइक चोरी की वारदात सामने आई थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें दोनों आरोपी बाइक चोरी करते हुए नजर आए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की।

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने पिछले दिनों रामगंज थाना क्षेत्र में चेन स्नैचिंग की वारदात को भी अंजाम दिया था।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर कर सवीना थाना इलाके मे सोमवार सुबह ट्रक ने एक महिला को कुचल दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से परिजन और आसपास के लोग आक्रोशित हो गए और विरोध पर उतर आये। गुस्साए लोगों ने ट्रक के केबिन में आग लगा दी। रोड पर एकत्रित होकर प्रदर्शन किया और पुलिस पर देरी से पहुंचने का भी आरोप लगाया। हादसा तीतरडी गुप्तेश्वर रोड पर सुबह करीब 8 बजे का है।

सूचना पर सवीना थानाधिकारी दलबीर सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक ड्राइवर को आक्रोशित भीड़ से सुरक्षित निकाल अपने कब्जे में लिया। लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। थानाधिकारी ने बताया कि महिला निर्मला साहू (48) पति कन्हैयालाल साहू निवासी तीतरडी की हादसे में मौत हो गई है। ट्रक तीतरडी गांव में आ रहा था। इस दौरान तीतरडी गुप्तेश्वर रोड पर सामने से आ रही स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। महिला घटनास्थल के पास की ही रहने वाली थी। उनके परिजन और आ पास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना के खिलाफ विरोध जताते लगे। जिस परिवार ने ट्रक ड्राइवर को संरक्षण दिया। उस पर भी हमले की कोशिश की गई। पुलिस ने ड्राइवर को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। इधर घटना को लेकर महिला के परिजन एमबी अस्पताल के मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन कर रहे है। परिजनों के मांग है कि महिला ही घर का निर्वहन करती थी घटना के कारण परिवार कि आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, इसलिए 50 लाख रुपयों का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा ट्रक ड्राइवर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

दो प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया

अलवर, (निसं)। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा हेतु विधिक माप विज्ञान अधिनियम एवं नियम के तहत औचक निरीक्षण कर दो प्रतिष्ठानों पर 15 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी बृजेश सेठी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान तुलना यंत्र असत्यापित पाए जाने पर एमपी फूड प्रोडेक्ट पर 10 हजार रूपये एवं न्यू बाबा ठाकुरदास एंड संस पर 5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा दो अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने पर पाया गया कि भैरू बक्श स्वीट्स एवं कन्हैया स्वीट्स द्वारा सभी नियमों एवं धाराओं की अनुपालना की जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगामी दिवसों में भी जारी रहेगी। दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरूद्ध सख्त कानून कार्रवाई की जाएगी।

DY. CONSERVATOR OF FOREST WILDLIFE JAIPUR

File No.F()Store/DcfWL/2026-27/Rajkaj Ref.No.24666964 Date 23.09.26

Notice Inviting Bid-18/2026-27

Construction of Pucca Wall at Forest P.R. Ki Khan to Bhairu Radi Jungle Village Thali Naka Sankotra Range Ajabgarh 500rmt are invited from interested bidders from 24.09.2026 (5:00 P.m.) to 05.10.2026 (12:00p.m. noon). Other particulars of the bid may be visited on the SPPP portal (http://sppp.raj.nic.in) on the state; and https://forest.rajasthan.gov.in departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 2204944/-

UBN FOR2627ESOB02560

Dy. Conservator of Forest
Wildlife Jaipur

DIPR/C/17072/2026

कार्यालय नगर पालिका पीपाड़ शहर (जोधपुर) राज.

Office of the Municipal Board, Pipar city (Jodhpur) Rajasthan
Tel.- (02930) 233036, e-mail : municipality.pipar@gmail.com

क्रमांक : न.पा.पी./2026-27/7271 दिनांक 01.10.2026

NOTICE INVITING BIDS

Bid for Various Annual Rate Contract Work of procurement are invited from interested Bidders upto 22.10.2026 , 05.00 Pm other perticulars of the bid amy be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) (http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state, and local self department website.

NIB CODE :- DLB2627A8101

UBN:- DLB2627SLOB20913,914,915,916.|

Executive Officer
Municipal Board Pipar City

Raj.Samwad/C/26/11293

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 24803008 दिनांक :- 30/09/2026

ई-निविदा सूचना संख्या :- जोन दक्षिण-ए/01/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- JOD2627A0195

UBN No.:- JOD2627WSOB00363

राज.संवाद/सी/26/11209 अधिशाषी अभियंता (दक्षिण - ए)

OFFICE OF THE PRINCIPAL

RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033 Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/8138 Date :- 30/09/2026

ई-निविदा सूचना

राज.रुवा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय जयपुर की ओर से, पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता संस्था/एजेन्सी/संवेदक से आयुर्विज्ञान महाविद्यालय परिसर में जॉब बेसिस (कार्य आधार) पर बागवानी संबंधी सेवा एक वर्ष के लिए आमंत्रित किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि 13 लाख रू.) (CMS2627SLOB00057)

1.	Bid Download Start Date/Time	30/09/2026 at 05:00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	30/09/2026 at 05:00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	12/10/2026 at 05:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	13/10/2026 at 03:00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/26/11213 Principal

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नवलगढ़ (झुन्झुनूं)

क्रमांक : न.पा.न./भूमि/2026-27/3948 दिनांक : 01.10.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27

कुल कार्यों की संख्या	01
निविदा की कुल लागत (लाखों में)	24.00 लाख
कुल धरोहर राशि 02 प्रतिशत् (रुपये में)	48000/-रूपयें
कुल धरोहर राशि ½ प्रतिशत् (रुपये में)	12000/-रूपयें
निविदा डानलोड करने की तिथि	01.10.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा जमा करने की तिथि	01.10.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	13.10.2026 को दोपहर 02.00 बजे बाद
निविदा कॉपी/मूल दस्तावेज जमा कराने की तिथि	13.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे से पहले

निविदा सूचना एवं निविदा सूची इंटरनेटर साईट http://sppp.raj.nic.in बेबसाईट पर NIB Code DLB2627A8097 के UBN No. से DLB2627SLOB20908 पर भी देखी जा सकती है तथा शेष शर्तें RPPT एक्ट 2013 के अनुसार होगी।

राज.संवाद/सी/26/11244 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

बाल वाटिका पत्रिका के वार्षिक अधिवेशन में 13 साहित्यकार सम्मानित

जयपुर/भीलवाड़ा। बाल साहित्य की प्रतिष्ठित पत्रिका 'बाल वाटिका' के भीलवाड़ा में आयोजित 27वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह एवं विचार गोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 13 बाल साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10 राज्यों के साहित्यकारों की सहभागिता रही। अधिवेशन का आयोजन बाल वाटिका के संस्थापक एवं प्रधान संपादक डॉ. भैरूंलाल गर्ग के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर उदयपुर की वरिष्ठ साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा को बाल साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'गंगा दुलारी शुक्ला स्मृति बाल साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें 11,000 की राशि, सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। यह सम्मान डॉ. प्रदीप शुक्ल, लखनऊ के सौजन्य से प्रदान किया गया।

- **आशा पाण्डेय ओझा आशा को 'गंगा दुलारी शुक्ला स्मृति बाल साहित्य सम्मान' मिला**



भीलवाड़ा में आयोजित 27वें वार्षिक अधिवेशन में साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले अन्य साहित्यकारों में दिल्ली के बालस्वरूप राही को जयप्रकाश भारती शिखर सम्मान, उत्तर प्रदेश के डॉ. मोहम्मद अरशद खान को आनंद प्रकाश जैन शिखर सम्मान, पंजाब की सकीर्ति भटनागर को वैभव कालरा स्मृति बाल साहित्य सम्मान, गुजरात के श्यामलपट पाण्डेय को श्यामसुंदर नागला स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, मध्यप्रदेश की नीना सिंह सोलंकी को गंगा बाई शर्मा स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, बीकानेर के मदनगोपाल लढ़ा को लोककवि मोहन मंडेला स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, छत्तीसगढ़ के गिरिश पंकज को छगननाथ व्यास स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान तथा हरियाणा के डॉ. अशोक बैरागी को टम्मू देवी-सवाईराम प्रजापति स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में बाल साहित्य के विविध पक्षों पर विचार गोष्ठी भी आयोजित हुई, जिसमें साहित्यकारों ने वर्तमान समय में बाल साहित्य की भूमिका, बाल मनोविज्ञान, संस्कार एवं जीवन-मूल्यों से जुड़े साहित्य की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। देश के विभिन्न अंचलों से आए साहित्यकारों की उपस्थिति ने अधिवेशन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

इस अवसर पर मंच पर अनेक साहित्यकार एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. भैरूलाल गर्ग ने सभी सम्मानित साहित्यकारों को शुभकामनाएँ देते हुए बाल साहित्य को नई पीढ़ी के संस्कार एवं संवेदनशील निर्माण का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, बाल साहित्य प्रेमियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों ने सहभागिता की।

झुंझुनूं में 597 ठिकानों पर दबिश, 127 गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए झुंझुनूं पुलिस ने जिलेभर में एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। अलसुबह शुरू हुए अभियान में पुलिस की 68 टीमों के 317 अधिकारी एवं पुलिसकर्मियों ने जिले के 597 ठिकानों पर दबिश दी। अचानक और व्यापक स्तर पर हुई कार्रवाई से वांछित अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों, गैंगस्टर्स एवं संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत ने की।

अभियान में पुलिस ने अलग-अलग श्रेणियों में कुल 127 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 12 प्रकरण दर्ज किए।

पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान आर्म्स एवं एनडीपीएस एक्ट में एक गिरफ्तारी वारंटी, आबकारी एक्ट में वांछित 3 आरोपी, हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती जैसे जघन्य अपराधों में वांछित 3 अपराधी पकड़े गए। वहीं स्थाई वारंटी, उद्घोषित अपराधी एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 335 से संबंधित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार एक हार्डकोर अपराधी, सक्रिय हिस्ट्रीशीटर, मादक पदार्थ तस्कर, 3 इनामी अपराधी, सामान्य प्रकरणों में वांछित 13 आरोपी, शांतिभंग के मामले में 62 आरोपी तथा अन्य मामलों में 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

महिला की संदिग्ध मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती झंवर स्थित कराणी गांव में सोमवार की सुबह एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके फंदा लगाने का संदेह जताया जाता है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। दोपहर बाद शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। महिला की शादी को चार साल होना बताया जाता है। फिलहाल पुलिस की तरफ से अग्रिम अनुसंधान जारी है। झंवर पुलिस थाने के एसआई देवाराम ने बताया कि कराणी गांव निवासी 23 साल की भाज्यवती उर्फ तीजा पत्नी अशोक जाट की मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। इस पर पुलिस अस्पताल पहुंची।

पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल जेल में रहा, अब हाईकोर्ट ने किया बरी

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल से जेल में बंद और आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आरोपी पति को बरी कर दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश रामभरोस साहनी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष

> ■ **हाईकोर्ट ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।**

मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है। अदालत ने माना कि घटना के बाद याचिकाकर्ता का कुछ समय के लिए मौके पर नहीं होना अन्य परिस्थितियों की पर्याप्त पुष्टि के अभाव में अकेले दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकता।

मामले से जुडे अधिवक्ता एचके सैनी ने बताया की अपीलार्थी 25 जून 2013 से ही जेल में बंद था। अपील में निचली कोर्ट के उम्रकैद की सजा देने वाले आदेश को चुनौती दी थी। अपील में कहा गया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। अभियोजन अपीलार्थी और मृतका के बीच अंतिम बार साथ देखे जाने की परिस्थिति को विश्वसनीय तरीके से साबित नहीं कर पाया है।

इसके अलावा कथित चाकू और खून लगे कपडों की बरामदगी को लेकर भी गवाहों के बयानों में विरोधाभास रहा। ऐसे में निचली कोर्ट का आदेश रद्द कर अपीलार्थी को दोषमुक्त किया जाए।

गौरतलब है कि नाहरगढ थाना इलाके में 18 जून 2013 को एक महिला का शव उसके कमरे में मिला था। पुलिस ने इस मामले में उसके पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर चालान पेश किया था। एडीजे कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपीलार्थी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

प्रदेश के स्कूलों तक पहुंचा ''ईट राइट'' का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा 3 से 16 अक्टूबर तक 'ईट राइट इनिशिएटिव' के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में 3 और 5 अक्टूबर को प्रदेश के 270 से अधिक स्कूलों के 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सुरक्षित, पौष्टिक एवं संतुलित खान-पान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को खाद्य मिलावट की पहचान, संतुलित आहार, साफ-सफाई और सुरक्षित भोजन की जानकारी दी गई। अभियान में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की मौके पर प्राथमिक जांच और मिलावट के प्रति सतर्कता की व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। चतुर्वेदी ने कहा कि बच्चों में शुरू से सही खान-पान की आदत विकसित कर उन्हें जागरूक उपभोक्ता बनाना अभियान का उद्देश्य है।

'भाजपा अगर सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने निकाय चुनाव में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब दिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी,

> ■ **उन्होंने कहा कि, ''वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी, बसपा के हाथी तक को डकार गए थे।''**



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सोमवार को मीडिया से रूबरू हुए।

बसपा के हाथी तक को डकार गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सदैव सम्मान करती है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि जूली, अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट के बीच लंबे समय से 'जलेबी रेस' चल रही है। उन्होंने कहा कि नेतृत्वविहीन कांग्रेस में नेता अपनी-अपनी ढपली बजा रहे हैं। डोटासरा के पंचायत चुनाव को लेकर आत्मविश्वास पर राठौड ने कहा कि यदि वे जनादेश स्वीकार कर लें तो उनकी दुकान आज ही खाली हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 25 वर्ष पूरे होने पर 7 अक्टूबर को प्रदेश के प्रत्येक जिला केंद्र पर ''सेवा ज्योति एवं संकल्प'' कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता जनता के साथ जिला केंद्र पहुंचेंगे। जयपुर में सांगानेर क्षेत्र में कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लाइव जुड़ेंगे।

कार्यक्रम में 'मशाल' प्रज्ज्वलित कर सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प लिया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, सही मार्गदर्शन और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना ही वास्तविक जनसेवा है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत रक्तदान, स्वच्छता अभियान, आंगनबाडी केंद्रों पर सेवा गतिविधियां, विद्यालयों में कार्यक्रम, वाद-विवाद व लेखन प्रतियोगिताएं और महापुरुषों के सम्मान के कार्यक्रम हुए। राजस्थान में प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ एवं सक्रिय जीवन की कामना के लिए 40 लाख 'आशीर्वाद के दीप' जलाए गए। वडनगर से वाराणसी तक यात्रा तथा वाराणसी से वडनगर की ओर मोटरसाइकिल यात्राएं भी आयोजित की जा रही हैं।

बेंगलुरु में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 शुरू



मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामी ने बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 का उद्घाटन किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स सहित छह खेल विधाएं शामिल हैं।

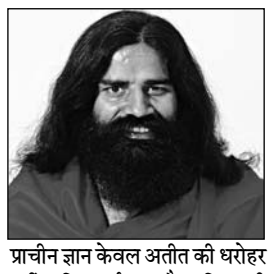
प्रतियोगिता में एलआईसी के आठ क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 376 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में एस. गिरिजा, प्रदीप पी. शेगै, लता माडमपत्त, सरवना रमेश एस. और आर.के. यादव सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आर. दुरैस्वामी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और उत्साह के साथ भाग लेने तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने का आव्हान किया। प्रतियोगिता का समापन 8 अक्टूबर को होगा। समापन समारोह में एलआईसी के प्रबंध निदेशक आर. चंदर मुख्य अतिथि होंगे।

संस्कृत-संस्कृति के संगम का मंच बनेगा पतंजलि यूनिवर्सिटी

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन को लेकर कुलाधिपति स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि भारत के संस्कार, सभ्यता, योग, अध्यात्म, संस्कृति, शास्त्र परंपरा और सनातन विरासत संस्कृत में सुरक्षित है। ऐसे में विश्वविद्यालय में संस्कृत और संस्कृति का विराट संगम होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृत और प्राच्य विद्याओं के संरक्षण, संवर्धन एवं वैश्विक प्रसार का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। योग, आयुर्वेद, दर्शन, साहित्य, वेद, वेदांत, भाषा, व्याकरण, इतिहास और पुरातत्त्व सहित विभिन्न विषयों पर शोधपरक विमर्श होगा।स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि का संकल्प 'विरासत और विज्ञान, शोध और बोध, दृष्टि और दक्षता' का समन्वय है। भारतीय



प्राचीन ज्ञान केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के समाधान में भी उपयोगी है। इसके गंभीर अध्ययन और आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। सम्मेलन में विद्यार्थियों और शोधार्थियों के उत्साह को देखते हुए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गई है। अब तक करीब 1 हजार विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और भारतीय संस्कृति एवं विरासत में रुचि रखने वालों से सम्मेलन में अधिकाधिक सहभागिता का आव्हान किया।

गायत्री राठौड़ ने राजस्थान संपर्क पर सुनीं शिकायतें

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सवाई माधोपुर के नरेश ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) में जनाधार व दस्तावेजों से जुडी समस्या बताई। जयपुर निवासी यश ने सांगानेरी महिला चिकित्सालय में स्टाफ के अभद्र व्यवहार की शिकायत की। धनराज और ताराचंद ने आशा सहयोगिनी से संबंधित शिकायतें, जबकि गंगापुर सिटी के सूरज ने राजकीय अस्पताल में चिकित्सकों के समय पर उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की।

राठौड ने सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी कार्मिकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संपर्क एआई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे परिवेदनाओं का विषयवार विश्लेषण कर समस्याओं की पहचान और उनके समयबद्ध समाधान में मदद मिलेगी।

फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। महिला को लगातार फोन और संदेश कर परेशान करने तथा फोटो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आदर्श नगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन शर्मा के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कालिका पेट्रोलिंग टीम की सुमन बाला और सुनीता को पीड़िता ने फोन पर शिकायत दी थी कि नितिन गुप्ता नाम का युवक उसे लगातार कॉल कर परेशान कर रहा है और फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है।पुलिस के अनुसार टीम ने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो वह आवेश में आ गया। उसने कथित तौर पर कहा कि पहले दोनों दोस्त थे और महिला उससे बात करती थी, लेकिन अब बात नहीं कर रही है। बात नहीं करने पर उसने उसे सबक सिखाने की धमकी दी। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नितिन गुप्ता (29) पुत्र चंद्रशेखर गुप्ता, निवासी छत्री चौक, सुनेल, झालावाड़ को गिरफ्तार कर लिया और आदर्श नगर थाना पुलिस के हवाले किया।

बड़े दु:ख की बात है कि अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर राज्य सरकार नहीं भेज रही केंद्र को टिप्पणियां : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिवक्ता सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार की ओर से उदासीन रवैया अपनाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यह बड़े दु:ख की बात है कि पिछले करीब 16 माह से राज्य सरकार अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से मांगी गई टिप्पणियां या स्पष्टीकरण नहीं भेज रही है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से गत 25 जून को राज्य के मुख्य सचिव को भेजे पत्र की कॉपी पेश की। जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने एडवोकेट्स प्रोटेक्शन बिल, 2023 सहित अन्य बिलों पर अपनी टिप्पणियां या स्पष्टीकरण पेश नहीं किए हैं। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने इस संबंध में अदालत से समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है।

जनहित याचिका में कहा गया कि प्रदेश में वकीलों पर आए दिन हमले सहित अन्य आपराधिक घटनाएं होती रहती हैं। इसके बावजूद भी वकीलों की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि साल 2020 में बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने प्रोटेक्शन एक्ट का ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार के पास भेजा था। राज्य सरकार ने इसमें अपने स्तर पर कई अनावश्यक संशोधन कर इसे साल 2023 में विधानसभा में पेश किया था। वहीं राज्यपाल ने इसे अनुमति के लिए राष्ट्रपति के समक्ष भेज दिया। जहां से राज्य के मुख्य सचिव को पत्र जारी कर इस संबंध में टिप्पणियां या स्पष्टीकरण देने को कहा था।

रैम्प कार्यक्रम के तहत राजस्थान में होंगी रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट

जयपुर। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) कार्यक्रम के तहत राजस्थान की एमएसएमई इकाइयों और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट आयोजित की जाएंगी।

पहले चरण में उदयपुर में स्टोन, जयपुर में रेडीमेड गारमेंट्स तथा जोधपुर में फर्नीचर एवं हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र पर फोकस रहेगा। अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय देशों और खाड़ी देशों से विदेशी खरीदारों एवं आयातकों को आमंत्रित किया जाएगा।बैठकों में विदेशी खरीदारों और राजस्थान के निर्यातकों के बीच बी-टू-बी बैठकें होंगी। निर्यातक अपने उत्पाद, सैंपल और प्रोडक्ट कैटलॉग प्रदर्शित कर संभावित कारोबारी अवसरों पर सीधे चर्चा कर सकेंगे। इससे एमएसएमई इकाइयों को बिना विदेश यात्रा किए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार और खरीदारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।इन आयोजनों से राजस्थान के निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने के साथ एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ने और राज्य को प्रमुख वैश्विक व्यापार एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

राजस्थान पुलिस की बीट व्यवस्था होगी हाईटेक

जयपुर। राजस्थान में बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह, जनोन्मुखी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राजस्थान पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय में सोमवार को राजस्थान पुलिस और ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीएंडआरडी), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के अनुरूप बीट स्तर की पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा।

कार्ययोजना के प्रथम चरण में प्रत्येक रेंज से एक-एक जिले का चयन करते हुए कुल नौ जिलों में नई बीट प्रणाली लागू की गई है। इनमें सीकर, जयपुर उत्तर, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, कोटा शहर, डूंगरपुर, चूरू, जैसलमेर और जोधपुर पश्चिम शामिल हैं। इन जिलों से प्राप्त अनुभव, उपलब्धियों और नवाचारों के आधार पर बाद में प्रदेश के अन्य जिलों में भी व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस की ओर से उप महानिरीक्षक अपराध दीपक भार्गव तथा बीपीएंडआरडी की ओर से उप महानिरीक्षक, नेशनल पुलिस मिशन डॉ. किरण कंग सिद्धू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल ने कहा कि पुलिसिंग में बीट ही बुनियादी इकाई है। उन्होंने बताया कि डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के क्रियान्वयन की दिशा में गोवा के बाद राजस्थान दूसरा राज्य है, जिसके साथ बीपीएंडआरडी ने एमओयू किया है। उन्होंने राजस्थान पुलिस के बीट क्लस्टर मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से विभिन्न राज्यों की बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने और अपनाने का अवसर मिलेगा।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बीट पुलिसिंग पुलिस और आमजन के बीच सबसे महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है। इसे अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता है।

बेटे के विदेश में गिरफ्तार होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने1.70 लाख रु. ऐंठे

जयपुर। जालूपुरा इलाके में साइबर ठगों ने विदेश में पढ़ाई कर रहे बेटे को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार बताकर एक सरकारी कर्मचारी को करीब एक घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1.70 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने वॉट्सऐप पर पुलिस अधीक्षक की फोटो लगाकर वीडियो कॉल किया और बेटे को छुड़ाने के नाम पर रुपए मांगे।

थानाधिकारी बृजेश सिंह के अनुसार, 2 अक्टूबर सुबह करीब 11 बजे पीड़ित के वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बड़ा पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका बेटा विदेश में दुष्कर्म के गंभीर मामले में हिरासत में है। ठगों ने विदेश के कड़े कानूनों और सजा का डर दिखाया। इसके बाद वीडियो कॉल पर मारपीट और किसी के रोने-चिल्लाने की आवाजें सुनाकर पीड़ित को विश्वास दिलाया कि उसके बेटे को टॉर्चर किया जा रहा है।ठगों ने कॉल नहीं काटने और किसी अन्य से संपर्क नहीं करने की हिदायत दी। घबराए पीड़ित ने रिश्तेदारों और परिचितों से रुपए उधार लेकर आरोपियों के बताए बैंक खातों में 1.70 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। रुपए मिलते ही ठगों ने कॉल काट दिया। इसके बाद बेटे से फोन पर बात की तो वह सुरक्षित मिला और ठगी का खुलासा हुआ। जालूपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक खातों और कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू की।

पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद 19 वर्षीय युवक की मौत

सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में मुहाना पुलिस ने मध्यप्रदेश निवासी इस युवक को हिरासत में लिया था

जयपुर। मुहाना थाने में पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए मध्यप्रदेश के 19 वर्षीय युवक ऋतुराज की सवाई मानसिंह अस्पताल में करीब 15 दिन इलाज के बाद सोमवार को मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए मौत का कारण पोस्टमॉर्टम और मेडिकल जांच के बाद स्पष्ट होने की बात कही है।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया के अनुसार मंदसौर निवासी ऋतुराज को सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। थाने में उसकी तबीयत बिगड़ी और उल्टी होने के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया, जहां करीब 15 दिन

> ■ **मृतक की मां का आरोप है कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई।**

तक कोमा की स्थिति में उपचार चला। सोमवार को उसकी मौत हो गई। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मृतक की मां हेमा ने आरोप लगाया कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने दबाव बनाकर दो अन्य युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया तथा दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए धमकाया। मां ने एसएमएस अस्पताल में तीन पुलिसकर्मियों पर 8 से 10 लाख रुपए लेकर मामला शांत करने का प्रस्ताव देने का भी आरोप लगाया है।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवक पर दो अलग-अलग पक्षों से सोना देने के नाम पर रुपए लेने और माल उपलब्ध नहीं कराने के आरोप थे। इस संबंध में उसकी मां ने ही पहले शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार युवक को थाने लाने के समय से ही उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा की चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद किया है। थानाधिकारी मुकेश कुमार खारडिया ने बताया कि पवन जाटव ने 4 अक्टूबर को रिपोर्ट दी थी कि 3 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे उसने ई-रिक्शा आरजे 14 ईटी 9556 घर के बाहर खड़ा किया था, जिसे देर रात अज्ञात चोर चुरा ले गए। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध व चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ तथा तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शाहरुख उर्फ मोटा मंसूरी (30) निवासी संजय नगर सी, झोटवाड़ा, हाल मालवीय नगर और गगन पेशवानी (20) निवासी मीणा कॉलोनी, जवाहर सर्किल को गिरफ्तार किया।

निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका पर कांग्रेस ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

डोटासरा-जूली ने पंचायत चुनाव में पुलिस से निष्पक्ष रहने की मांग की

जयपुर। स्थानीय निकाय चुनाव में पुलिस अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आगामी पंचायत चुनाव में पुलिस को निष्पक्ष होकर कानून व्यवस्था बनाए रखने की मांग की। डीजीपी ने प्रतिनिधिमंडल को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डोटासरा ने मुलाकात के बाद कहा कि निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका से जुड़े मामलों के प्रमाणों के साथ डीजीपी को ज्ञापन दिया गया है और प्रत्येक मामले पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव में पुलिस के जरिए पार्षदों पर दबाव बनाया गया तथा कई स्थानों पर पुलिस अधिकारी पार्षदों की बाड़ेबंदी तक पहुंचे। डोटासरा ने कहा कि पंचायत चुनाव में भी यदि ऐसा ही रवैया रहा तो स्थिति गंभीर हो सकती है और इसकी जिम्मेदारी पुलिस महानिदेशक की होगी।डोटासरा ने हाल में हुए कुछ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में काम नहीं करने वाले अधिकारियों को हटाया गया। खाटूश्यामजी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, उपखंड अधिकारी और थाना प्रभारी तक बदले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी की जा रही थी और निकाय चुनाव के दौरान पुलिस-प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बनाया गया।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव के संभावित दावेदारों को भी धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को चुनाव लड़ने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। परिवार में सरकारी कर्मचारी होने पर तबादले और व्यापारी होने पर कारोबार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दिए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

डोटासरा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में कथित घटनाओं को लेकर प्रदेश में आक्रोश है और पंचायत चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने पंचायत चुनाव चार चरणों में कराने को लेकर भी सवाल उठाए और चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की।

संक्षिप्त

निःसंतानता परामर्श शिविर सम्पन्न

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के जीवन ज्योति हॉस्पीटल में सनफ्लावर हॉस्पीटल,अहमदाबाद द्वारा नि:शुल्क नि:संतानता परामर्श शिविर का सफल आयोजन हुआ। शिविर में कुल 24 महिलाओं को नि:शुल्क परामर्श दिया गया। सनफ्लावर के प्रवक्ता ने बताया कि अस्पताल की 5 शाखाएं अहमदाबाद, गांधी नगर, नरोडा, व सूरत में कार्यरत हैविश्व स्तरीय पुरुष व महिला बंधत्व निवारण तकनीक एवं अस्पताल आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक विटनेस सिस्टम से लैस है।जो कि भ्रूण की अदला बदली नहीं होने देता है, शून्य शुक्राणु,अंडों का कम या न बनना, बार बार आई वी एफ ट्रीटमेंट फैल या गर्भपात होना जैसी समस्याओं के निवारण के लिए अग्रणीय है। नि:शुल्क आईवीएफ चिकित्सा कैंप में जीवन ज्योति हॉस्पीटल में कार्यरत गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ.दिया गुप्ता ने सनफ्लावर की एक्सपर्ट टीम के साथ मिलकर नि:संतानता के इलाज के लिए आए हुए सभी मरीजों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया। डॉ. गुप्ता द्वारा मरीज से पूरी जानकारी हासिल करके इलाज के लिए उपयुक्त जानकारियां भी प्रदान की गई। ज्ञात रहे कि जीवन ज्योति हॉस्पीटल के प्रवक्ता ने बताया कि 11 सितम्बर रविवार को कृष्णा मेडिकल स्टोर ग्राम पंचायत थाना में प्रात:10 से दोपहर 12 बजे तक निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है।

विद्यार्थियों से संवाद किया

बांसवाड़ा, (निसं)। सही खानपान, स्वस्थ राजस्थान अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय टीम ने विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बच्चों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की प्रारंभिक जांच, पौष्टिक खानपान और स्वच्छता संबंधी आदतों के बारे में जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भरतराम मीणा ने बताया कि अभियान के तहत विद्यार्थियों को स्वस्थ टिफिन, पौष्टिक नाश्ता, श्री अन्न एवं मोटे अनाज के फायदे बताए। साथ ही भोजन से पहले और बाद में हाथ धोने के सही तरीके तथा खाद्य पदार्थों की स्वच्छता और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए जागरूक किया। टीम ने विद्यार्थियों को पैकेटबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय उसके लेबल को ध्यान से पढने की जानकारी दी।

वर्षा वर्मा को पीएचडी की उपाधि

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ विवि ने सोशल साईंस संकाय में वर्षा वर्मा को ग्रामीण महिलाओ का मतदान व्यवहार उदयपुर जिले के मावली पंचायत समिति के विशेष संदर्भ में(2015-2020) शोध कार्य करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. वर्षा वर्मा ने शोध कार्य सहायक आचार्य डॉ. प्रतिभा शर्मा के निर्देशन में किया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

डूंगरपुर। एसबीपी राजकीय महाविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 5 अक्टूबर 2026 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.गणेशलाल निनामा ने की।

प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण केवल शारीरिक सुरक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह छात्राओं में आत्मविश्वास, साहस,अनुशासन एवं निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने छात्राओं से प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा सीखी गई तकनीकों का सदुपयोग करने का आ ान किया। कालिका पेट्रोलिंग इकाई की हेड कांस्टेबल स्नेहलता द्वारा महिला प्रशिक्षक के रूप मे छात्राओं को विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने, सतर्क रहने तथा आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। महाविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई समिति के प्रभारी एवं सदस्यों और कार्यक्रम से जुडे अन्य संकाय सदस्यों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सशक्त, सजग और आत्मनिर्भर बनाना है।

पेंटिंग के माध्यम से वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

बांसवाड़ा, (निसं)। वन विभाग के तत्वावधान में वन्यजीव सप्ताह के तहत श्यामपुरा वानिकी उद्यान में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में शहर के राजकीय तथा निजी विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। डीएफओ शैतान सिंह देवडा ने बताया कि पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने वन्यजीवों, पक्षियों, नेचर तथा वन्यजीव सुरक्षा विषय पर आधारित पेंटिंग बनाकर कल्पनाओं के रंग भरे। पेंटिंग के साथ प्रतियोगियों ने वन्यजीव तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

वागड पर्यावरण संस्थान के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में सेंट मैथ्यूज स्कूल के याग्निक शर्मा व रिया कुमावत क्रमश: प्रथम व द्वितीय रही वहीं राजकीय नूतन उमावि के हैंडसम सोनी व भारतीय विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की साक्षी मोची तृतीय रही।

सांत्वना पुरस्कार लियो इंटरनेशनल स्कूल के कनिष्क पंड्या व ब्रिलिएंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के धीर चौहान को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में अंकुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की आरवी वैष्णव प्रथम, लियो इंटरनेशनल स्कूल की परी द्वितीय, मॉडर्न पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की नोफिल नायक व सेंट मैथ्यूज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भाग्य मेहता तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार लियो इंटरनेशनल स्कूल के मोहम्मद अली बाग व अंकुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ईशा श्रीमाल को प्राप्त हुआ। निर्णायक की भूमिका शिव शंकर वैष्णव, अमित सोनी व हिमालय जोशी ने निभाई।

विजेताओं को 8 अक्टूबर को पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रवीण अहारी व अलका शाह, वागड पर्यावरण संस्थान के यश सराफ व कपिल पुरोहित, वनपाल पुष्पेंद्र कटारा, सुरेंद्र कटारा, रमेश मईडा, बसंती डामोर, सहायक वनपाल सुधा मेहता, दीपा राठौड खालिद मोहम्मद, वनरक्षक गीता पाटीदार, उर्वशी राव, अजय मईडा, कामिनी पंचाल, स्मिता सोलंकी ने सहयोग प्रदान किया।



बांसवाड़ा में वन्यजीव सप्ताह के तहत श्यामपुरा वानिकी उद्यान में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में उत्साह से भाग लेते विद्यार्थी।

परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों को मिलेगा पढ़ाई जारी रखने का अवसर

बांसवाड़ा, (निसं)। परीक्षा छूट जाना किसी विद्यार्थी के लिए केवल एक परीक्षा से वंचित होना नहीं होता। इसके साथ अगला सेमेस्टर, अगली कक्षा और पूरी शैक्षिणक यात्रा प्रभावित होने की चिंता भी जुड जाती है। कई बार एक परीक्षा के कारण विद्यार्थी को पूरे एक वर्ष का इंतजार करना पड सकता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय की ओर से विशेष परीक्षा का आयोजन राहत की खबर लेकर आया है।

विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी व्यवस्था के अंतर्गत पांचवे एवं छट्ठे सेमेस्टर के पात्र विद्यार्थियों के लिए विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा की संभावित तिथि 14 एवं 15 अक्टूबर रखी गई है। विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। विशेष परीक्षा के पीछे सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों की पढाई में अनावश्यक अंतराल को रोकना है। यदि किसी विद्यार्थी की परीक्षा किसी कारणवश छूट जाती है और उसे अगले अवसर के लिए लंबा इंतजार करना पडता है तो इसका सीधा असर उसकी आगे की पढाई पर पडता है। कई विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक वर्ष के शैक्षिणक अंतराल का कारण बन सकती है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने पात्र विद्यार्थियों को विशेष परीक्षा का अवसर देने की पहल की है इससे विद्यार्थियों को अपनी शेष परीक्षा पूरी करने और आगे की पढाई में निरंतरता बनाए रखने में सुविधा होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रमोद वैष्णव ने बताया कि विशेष परीक्षा विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक वर्ष के शैक्षिणक अंतराल से बचाना और उनकी पढाई में निरंतरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि परीक्षा से वंचित रहने वाले पात्र विद्यार्थियों को विशेष परीक्षा के माध्यम से अपनी शैक्षिणक प्रक्रिया आगे बढ्राने में सुविधा मिलेगी। प्रो. वैष्णव ने बताया कि विद्यार्थी की शैक्षिणक यात्रा में निरंतरता बेहद महत्वपूर्ण है एक परीक्षा के कारण यदि विद्यार्थी को लंबे समय तक रुकना पडे तो उसका असर उसकी आगे की पढाई पर पड सकता है। विशेष परीक्षा से ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढने का अवसर मिलेगा। नई शिक्षा नीति के अनुरूप उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की शैक्षिणक प्रगति को अधिक लचीला और अवसर आधारित बनाने पर जोर दिया गया है।

भाजपा की पंचायतीराज चुनाव 2026 को लेकर तैयारियां तेज

- 14 पंचायत समिति और 37 जिला परिषद वार्डो के प्रभारी-संयोजकों की बैठक
- 7 अक्टूबर तक तीन-तीन नामों का पैनल भेजने के निर्देश

डूंगरपुर, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को भाजपा के नवीन जिला कार्यालय में 14 पंचायत समितियों के प्रभारी एवं संयोजकों तथा 37 जिला परिषद वार्डो के प्रभारी एवं संयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी पंचायतीराज चुनाव को लेकर संगठन की कार्ययोजना, प्रत्याशी चयन, बूथ प्रबंधन और चुनावी तैयारियों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से मंथन किया गया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गुणवंत कलाल ने बताया कि बैठक में जिले में जिला प्रमुख के साथ सभी पंचायत समितियों में भाजपा के प्रधान बनाने के लक्ष्य को लेकर संगठनात्मक स्तर पर तैयारियों को गति देने पर चर्चा हुई। प्रभारी एवं संयोजकों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय होकर कार्य करने तथा संगठन की ओर से निर्धारित कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

7 अक्टूबर तक तीन-तीन नामों का पैनल भेजने के निर्देश:-बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्देश जिला परिषद एवं पंचायत समिति वार्डो के संभावित प्रत्याशियों को लेकर दिए गए।

सभी प्रभारी एवं संयोजकों को 7 अक्टूबर तक प्रत्येक वार्ड से चुनाव लडने के इच्छुक तीन-तीन नामों का पैनल तैयार कर अनिवार्य रूप से भेजने के निर्देश दिए गए। प्रत्याशी चयन में पार्टी के प्रति निष्ठाए क्षेत्र में सक्रियता, संगठन के साथ जुडाव और स्थानीय स्तर पर स्वीकार्यता सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि प्रत्याशी ऐसा हो जो चुनावी परिस्थितियों में संगठन के साथ मजबूती से खडा रहे और लंबे समय तक पार्टी के लिए कार्य करता रहे। साथ ही प्रभारी एवं संयोजकों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक हितों से ऊपर संगठन हित को प्राथमिकता देते हुए कार्य करें।

बूथ संरचना मजबूत करने पर जोर:-बैठक में जिला परिषद वार्ड स्तर पर चुनाव कार्यालय स्थापित करने और चुनाव प्रबंधन समितियों के गठन को लेकर भी चर्चा की गई। प्रभारी एवं संयोजकों को स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर चुनाव से संबंधित जिम्मेदारियां समय पर तय करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि चुनावी तैयारियों में संगठनात्मक अनुशासन और वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रभारी एवं संयोजकों को अपने दायित्व का बोध कराते हुए कहा गया कि उन्हें नियमित रूप से क्षेत्र में संपर्क बैठक और संगठनात्मक गतिविधियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखना होगा।

जागरूकता शिविर में विधिक सहायता की जानकारी दी

बांसवाड़ा, (निसं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी एक्शन प्लान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष के निर्देशन में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में पीएलवी मनीष पटेल ने नागरिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पात्र व्यक्तियों को आवश्यकता पडने पर नि:शुल्क अधिवक्ता, विधिक सलाह एवं न्यायिक प्रक्रिया में सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों, दिव्यांगजनों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध विधिक सहायता सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान नागरिकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित लोक अदालत, मध्यस्थता एवं अन्य वैकल्पिक विवाद समाधान माध्यमों की जानकारी भी दी गई। महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह, बाल श्रम तथा बच्चों के संरक्षण से जुड़े प्रावधानों के प्रति भी जागरूक भी किया गया। शिविर में नि:शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि जरूरतमंद व्यक्ति अपनी विधिक समस्या के संबंध में सहायता एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

सार-समाचार

राणा पूंजा जयंती पर निकली शोभायात्रा

कपासन, (निसं)। वीर योद्धा राणा पूंजा की जयंती पर सोमवार को कपासन में भील समाज ने गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली। ये यात्रा कृषि उपज मंडी से शुरू हुई, जिसमें राणा पूंजा की झांकी मुख्य आकर्षण रही। समाज के लोग नाचते-गाते और जयकारे लगाते शामिल हुए।पुराना उदयपुर रोड पर नगर पालिका अध्यक्ष सरोज बारेगामा और उपाध्यक्ष नीतू ईनाणी ने राणा पूंजा के चित्र पर माल्यार्पण कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जगदीश जाट,सुरज लोहार, रतन भील, सम्पत लोहार, सहित आदि मौजूद थे। वापस शोभायात्रा महाराणा प्रताप चौराहा पहुंची, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण हुआ। इस अवसर पर पार्षद लोकेश राव सरस्वती बारेगामा व लाला प्रसाद पुरबिया सहित आदि ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा वहां से रवाना हुई जो पांच बत्ती चोराहा,लोडकिया चोक व कुम्हार मोहल्ला बस स्टैंड पुलिस थाना सावालिया चोराहा रेलवे स्टेशन मार्ग होते हुए माडल स्कूल के पास राणा पुजा खेल मैदान पहुंची। जहां प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्षता निवर्तमान प्रधान हेमेंद्र सिंह राणावतए ने किया ओर शनि महाराज ठ्ठामीण मंडल अध्यक्ष रतन नाथ योगी सहित राणा पुजा के पदाधिकारियों सहित आदि थेइस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने राणा पुजा भील के वीरता ,साहस त्याग एव मेवाड के इतिहास में उनके योगदान को याद करते हुए समाज के युवाओ को उनके आदर्शों को अपनाने का आ ान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं प्रतिभावान उच्चंछात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही राणा पुजा भील समाज की ओर निवर्तमान प्रधान हेमेंद्र सिंह भोपाल सागर, ओर पत्रकार प्रमेन्द्र सिंह राजपूत , सहित आदि को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में राणा पुंजा वरिष्ठ कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष कालू राम राणा, उपाध्यक्ष माधु लाल, जिला सचिव भेरूलाल कल्याणपुरा, नगर अध्यक्ष रतन लाल, कोषाध्यक्ष चतुर्भुज, तहसील अध्यक्ष राम लाल, मेवा लाल, पृथु सचिव नारायण लाल, किशोर, हजारी, रामलाल, सीताराम, राजस्थान भील विकास समिति ब्लॉक अध्यक्ष भेरूलाल लाल, भोपाल सागर के पूर्व सरपंच, पियरचंद भील ओर पन्नालाल भील सहित आदि मौजूद रहे।

'व्यापारी किसी भी शहर की रीढ़ की हड्डी, विकास में उनकी भागीदारी जरूरी'

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के विजया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम में चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से नगर परिषद डूंगरपुर और नगरपालिका सागवाड़ा के नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में दोनों निकायों के नए बोर्ड का साफा पहनाकर, माल्यार्पण और स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विकास में व्यापारिक वर्ग की भूमिका और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास को नई दिशा देने पर मंथन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि स्वच्छता अभियान के प्रदेश ब्रांड एम्बेसडर एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़े के.के. गुप्ता रहे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पटेल ने की। चेंबर पदाधिकारियों ने डूंगरपुर नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता, उपसभापति अनिल पटेल, सागवाड़ा नगरपालिका अध्यक्ष आशा पाटीदार सहित पार्षदों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि के.के. गुप्ता ने कहा कि व्यापारी किसी भी शहर की रीढ़ की हड्डी होता है। व्यापारिक गतिविधियां केवल बाजार तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि रोजगार, राजस्व और शहर की आर्थिक गतिविधियों को गति देती हैं। ऐसे में शहर के विकास में व्यापारी वर्ग की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चेंबर ऑफ कॉमर्स पिछले 16 वर्षों से व्यापारियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रहा है। व्यापारियों की समस्याओं को उठाने के साथ ही शहर के विकास और सामाजिक सरोकारों में भी चेंबर अपनी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में निकायों और व्यापारिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय से शहरों के विकास को और गति दी जा सकती है। गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर ने स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश और देश स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। अब चुनौती इस पहचान को बनाए रखने के साथ इसे और मजबूत करने की है। इसके लिए केवल नगर परिषद या प्रशासन की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

डूंगरपुर, निसं)। आसपुर ब्लॉक अन्तर्गत पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनकोडा में कौशल विकास संस्थान के तत्वावधान में तीन प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 33 विद्यालयो से 26 छात्र व 30 छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के तहत प्रथम आंशुभाषण, द्वितीय नाटक व तृतीय पैनल चर्चा का आयोजन रखा गया। प्रतियोगिता मे उत्तम प्रदर्शन के आधार पर ब्लॉक स्तर पर एक बालक व एक बालिका का चयन भी किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ शैलेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता, जब कि निर्णायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपालसिंह पंवार के मुख्य आतिथ्य तथा पीटीए अध्यक्ष लाखनसिंह चौहान विशिष्ठ अतिथि थे। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के तहत छात्र दिव्यांश रेबारी व छात्रा सुश्री बिन्दु पाटीदार पीएमश्री बनकोडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह छात्र कृष्णा पाटीदार राउमावि सकानी व छात्रा मितवा प्रजापत राउमावि बडलिया ने द्वितीय स्थान तथा छात्र युवराज मीणा राउमावि धनेला व छात्रा ममता भोई बाराउवि बनकोडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर पर निर्णायक समिति का गठन भी किया गया।

दशहरा पर रावण दहन की परंपरा शुरू कराने व सीसीटीवी कैमरे चालू कराने की मांग

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर पालिका की सत्ता बदलते ही शहर की राजनीति का रंग भी बदल गया है। पिछले भाजपा समर्थित बोर्ड में लंबे समय से बंद पडे कामों को शुरू करवाने की मांग लेकर अब भाजपा पार्षद कांठोस के नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष सुंदरलाल लिखमावत के पास पहुंचे। भाजपा पार्षदों ने 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर विभिन्न विकास कार्य शुरू करवाने की मांग की।

- भाजपा पार्षदों ने 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर विभिन्न विकास कार्य शुरू करवाने की मांग



भीण्डर नगर पालिकाध्यक्ष सुंदरलाल लिखमावत का ज्ञापन देते भाजपा पार्षद।

दिलचस्प बात यह है कि ज्ञापन में दशहरा पर रावण दहन की परंपरा शुरू करवाने और नगर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे दोबारा चालू करवाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। यानी जिन मुद्दों पर भाजपा अब कांठोस बोर्ड से काम करवाने की उम्मीद जता रही है, उन्हीं मुद्दों पर उसके समर्थित बोर्ड के कार्यकाल को लेकर अब सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भीण्डर में दशहरा पर रावण दहन की परंपरा वर्ष 2015 में जनता सेना बोर्ड के दौरान शुरू हुई थी। वर्ष 2019 में अंतिम बार नगर पालिका स्तर पर रावण दहन हुआ। इसके बाद 2020 में प्रशासक काल रहा और फरवरी 2021 में फिर जनता सेना का बोर्ड बना, जो बाद में भाजपा समर्थित बोर्ड के रूप में चला। लेकिन 2021 से लेकर बोर्ड के कार्यकाल के अंत तक रावण दहन की परंपरा दोबारा शुरू नहीं हो सकी। अब सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा पार्षदों ने इसी परंपरा को पुन: शुरू करवाने की मांग कांठोस बोर्ड के सामने रखी है। शहर में अब सवाल यह उठना स्वाभाविक है कि जब बोर्ड में जिम्मेदारी थी, तब रावण दहन क्यों नहीं हुआ और अब विपक्ष में आते ही इसकी चिंता क्यों सताने लगी?

इसी तरह भीण्डर शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए वर्ष 2017 में प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। वर्ष 2021 के बाद कैमरे बंद हो गए और उन्हें दोबारा शुरू करवाने को लेकर प्रभावी पहल नहीं हो सकी। अब भाजपा पार्षदों ने पालिकाध्यक्ष को दिए ज्ञापन में बंद सीसीटीवी कैमरों को पुन: शुरू करवाने की मांग रखी है। राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है कि पांच साल तक बोर्ड का हिस्सा रहने के दौरान कैमरे चालू करवाने की जिम्मेदारी किसकी थी और अब वही मांग विपक्ष में बैठकर कांठोस बोर्ड के सामने क्यों रखी जा रही है? भाजपा पार्षदों ने ज्ञापन में विभिन्न विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद काम शुरू करवाने, हींता दरवाजा से रावलीपोल तक सड़क निर्माण, मठ की गली में पेयजल के लिए पनघट दुरुस्त करवाने, वार्ड 18 लंबीगली में नालियों का निर्माण, आमेटा कॉलोनी से गुजर रही 33 केवी लाइन हटाने, सहित कई मांगें रखीं। इसके अलावा गलियों में गतिअवरोधक लगाने, रास्तों पर खड़े रहने वाले हाथठेला व्यापारियों को हटाने, लावारिस पशुओं के लिए गोशाला की व्यवस्था करने, महाराणा प्रताप बस स्टैंड शुरू करने, बंद पड़े पनघट चालू करवाने, तालाबों को अतिक्रमण मुक्त करवाने और नियमित साफ-सफाई की मांग भी की गई।

ज्ञापन से पहले कांठोस और भाजपा पार्षदों के बीच शिष्टाचार मुलाकात भी हुई। भाजपा पार्षदों ने पालिकाध्यक्ष सुंदरलाल लिखमावत और उपाध्यक्ष शोयब बोहरा का मेवाड़ी पाग व उपरना पहनाकर अभिनंदन किया। कांग्रेस पार्षदों का भी उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने पालिकाध्यक्ष को 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

धरना-प्रदर्शन किया

राजसमंद, (निसं)। निजी विद्यालय संगठन राजसमंद की ओर से निजी विद्यालय संघर्ष समिति राजस्थान के आव्हान पर सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया। सुबह 10 बजे शुरू हुए धरने में जिलेभर के निजी विद्यालय संचालकों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लेकर लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जवानसिंह देवडा एवं जिला संयोजक शिव प्रसाद सनाढ्य ने की। धरने के बाद प्रमुख शासन सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि 8 अगस्त 2०26 को निजी विद्यालय संघर्ष समिति राजस्थान एवं सरकार के बीच हुई समझौता वार्ता में निजी विद्यालयों का आरटीई के तहत बकाया भुगतान अगस्त माह तक करने पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद कई विद्यालयों का भुगतान अब तक लंबित है। इससे निजी विद्यालय संचालकों में रोष व्याप्त है। पदाधिकारियों ने सरकार से समझौते में किए गए वादों को पूरा कर लंबित भुगतान का तत्काल निस्तारण करने की मांग की।

ज्ञापन में आरटीई का समस्त बकाया भुगतान तत्काल करने, प्री-प्राइमरी कक्षाओं का भुगतान जारी करने, 1000 रुपए पोर्टल शुल्क समाप्त करने, कक्षा 5 के निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों से संबंधित शुल्क समाप्त करने तथा मान्यता के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की गई। इसके साथ ही निजी विद्यालयों से जुडी अन्य समस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई गई। संगठन ने सरकार को समस्याओं के समाधान के लिए 10 अक्टूबर 2026 तक का समय दिया है।

पंचायतीराज चुनाव-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली बैठक



पंचायतीराज चुनाव-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी बैठक लेते हुए।

राजसमंद, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव-2026 को स्वतंत्र निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने सोमवार को सुबह से शाम तक जिला परिषद सभागार में मैराथन बैठकें लेकर निर्वाचन से जुडी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी हसीजा ने प्रात: 11 बजे समस्त रिटर्निंग अधिकारियों आरओ एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों एआरओ के प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन प्रक्रिया से जुडे विभिन्न प्रावधानोंए दायित्वों एवं प्रक्रियाओं को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे समस्त आरओ, एआरओ, पुलिस उप अधीक्षकों एवं थानाधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर निर्वाचन के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने सहित पुलिस एवं प्रशासन से जुडी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। शाम 4 बजे समस्त आरओ एवं निर्वाचन प्रकोष्ठ प्रभारियों की बैठक लेकर विभिन्न प्रकोष्ठों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध रूप से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठकों में पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर राजकुमार कस्वा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृज मोहन बैरवा, मंदिर मंडल नाथद्वारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेंद्र पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुडे अधिकारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी हसीजा ने कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील परिस्थितियों वाले क्षेत्रों की पहचान एवं वहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रत्येक मतदाता को निर्भीक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिलना सुनिश्चित किया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी आरओ, एआरओ एवं प्रकोष्ठ प्रभारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण गंभीरता से निर्वहन करने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



आगामी भारत दौरे तथा भविष्य की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मेरी नजरें अगले सत्र से शुरू होने वाली पहली एनजेड20 प्रतियोगिता में खेलने के अवसर पर भी पूरी तरह टिकी हुई हैं। - **माइकल ब्रेसवेल**

न्यूजीलैंड खिलाड़ी, अपने कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



अभिषेक शर्मा

अभिषेक ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप की जीत के बाद अगले विश्व कप में भी उसी सफलता को दोहराने और जीत की लय बरकरार रखने को लेकर कहा, क्रिकेट में जब मैं आया था, तो 24 साल का था, अब मैं 26 साल का हूं। एक युवा क्रिकेटर के रूप में आप खुद से कहते हैं कि अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है, यह सिर्फ शुरुआत है। मुझे लगता है कि अभी भी आसान है, लेकिन उस चीज को आदत बनाना और बार-बार उसे दोहराना, प्रक्रिया को एक जैसा बनाए रखना, एक खिलाड़ी के रूप में आसान नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत द्वारा जीते गए 21 स्वर्ण पदकों में से अकेले 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों ने अपने नाम किए। कुल 85 में से 38 पदक महिलाओं के खाते में आए।

हांगकांग सिक्सेस में भारत की कप्तानी करेंगे भुवनेश्वर



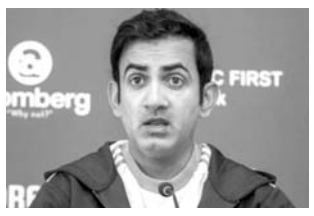
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आगामी हांगकांग सिक्सेस-2026 में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होगा। भारतीय टीम में भुवनेश्वर के अलावा क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। हांगकांग सिक्सेस छह खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला तेजतर्रार प्रारूप है, जिसमें खिलाड़ियों को अपनी लय बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं मिलता। मुकाबले तेज गति वाले और अधिक स्कोर वाले होते हैं तथा आक्रामक क्रिकेट पर जोर रहता है। बल्लेबाजों को खुलकर शॉट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि प्रत्येक खिलाड़ी से गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सहित सभी विभागों में योगदान की उम्मीद रहती है। भारतीय टीम हांगकांग सिक्सेस में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से वापसी करेगी। भारत ने 2025 के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत दो रन की जीत से की थी, लेकिन इसके बाद के मुकाबलों में हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया था। पाकिस्तान 2026 संस्करण में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। उसने पिछले साल फाइनल में पदार्पण करने वाले कुवैत को हराकर हांगकांग सिक्सेस का रिकॉर्ड छठा खिताब अपने नाम किया था। इस संस्करण में आठ प्रमुख क्रिकेट देशों के अलावा चार एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर तेज गति और आक्रामक क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा।

गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात : लक्ष्मण

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात है और उन्होंने दबाव में भी संयम बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि टीम के खेलने के तरीके से मैं बहुत खुश हूँ; एशियाई खेलों में गोल्ड जीतना बहुत गर्व की बात है। और मुझे लगता है कि सभी ने अपनी पूरी क्षमता के साथ खेला; गोल बचाना भी हम सभी के लिए एक बहुत खास पल था। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास इतने सारे खिलाड़ी हैं जो बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती हैं, जिनका काम के प्रति रवैया बहुत अच्छा है, और सबसे ज़रूरी बात यह है कि उनमें एक चैंपियन वाली सोच है।

वैभव प्रतिभाशाली और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन अवसर के लिए इंतजार करना होगा : गौतम गंभीर

भारत-वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला आज



नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। लगातार दो बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीत चुकी भारतीय टीम घरेलू सत्र की शुरुआत दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से करेगी। सीरीज से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ काम करने के अनुभव और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बातचीत को लेकर अपनी बात रखी। जियोस्टार के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज: गौतम गंभीर अनफिल्टर्ड' में गंभीर ने श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अय्यर की सबसे बड़ी खूबी उनकी निस्वार्थ भावना है।

गंभीर ने कहा, श्रेयस के साथ मेरा पहला अनुभव तब हुआ जब मैं 2024 में केकेआर में गया था, जहां वह कप्तानी कर रहे थे। श्रेयस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह कई बार अपनी बल्लेबाजी की स्थिति छोड़ने के लिए तैयार रहते थे। वह इतने लचीले थे कि अगर कोई और खिलाड़ी उनसे ऊपर बल्लेबाजी करने जाता था तो भी उन्हें कोई समस्या नहीं थी। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई कप्तान, जो शायद आपकी टीम का मुख्य बल्लेबाज भी हो, टीम के हित में अपनी बल्लेबाजी की स्थिति किसी और के लिए छोड़ दे, चाहे वह किसी और खिलाड़ी को प्रभाव पैदा करने का मौका देने के लिए हो या बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के दृष्टिकोण से। तभी मुझे एहसास हुआ कि एक अच्छे नेता की सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण खूबी यह है कि आप कितने निस्वार्थ हैं।"

वैभव को अवसर के लिए करना होगा इंतजार

वैभव सूर्यवंशी को लेकर हुई बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, "क्योंकि अगर वैभव आज खेलते हैं तो मेरे और उस खिलाड़ी के बीच एक मुश्किल बातचीत होगी जिसे हम बाहर रखते हैं, चाहे वह अभिषेक हों या संजू। इसलिए हम अचानक उस संयोजन को नजरअंदाज नहीं कर सकते जिसने पिछले डेढ़ या दो वर्षों में इतना प्रभाव पैदा किया है और तीन या चार असफलताओं के बाद उन्हें बाहर कर ऐसे युवा खिलाड़ी को मौका दे दें जो बेहद प्रतिभाशाली है और बहुत अच्छी फॉर्म में भी है। इसलिए कभी-कभी आपको अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि हम उस ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना पैदा करना चाहते हैं।

निरंतरता बनाए रखना जरूरी

गंभीर ने टीम में निरंतरता बनाए रखने और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले लेने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे लिए लोकप्रिय फैसले लेना बहुत आसान है, लेकिन शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल काम सही फैसले लेना है। और हमने संजू और अभिषेक के साथ जारी रखने का सही फैसला लिया है। खेल के इतिहास में कोई भी टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक अपराजित नहीं रही है और फिर दोबारा विश्व कप नहीं जीता है। अचानक एक खराब सीरीज या यहां-वहां तीन खराब मैच उन्हें खराब खिलाड़ी नहीं बना देते और न ही हमें खराब टीम बना देते हैं। इसलिए हमारे लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था।

भारत खतरनाक टीम हैं लेकिन हम भी पीछे नहीं हटने वाले : अकील हुसैन



लखनऊ, 5 अक्टूबर। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने सोमवार को कहा कि भारतीय टीम बहुत खतरनाक है लेकिन माना कि उनकी टीम पीछे नहीं हटने वाली और वह इस चुनौती का इंतजार कर रही है। भारतीय टीम ने तीन मैच की वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज को 2-1 से शिकस्त दी और अब मंगलवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मेहमान टीम से भिड़ेगी। हुसैन ने मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "वे (भारत) जानते हैं कि हम किस तरह का क्रिकेट खेलते हैं।

हम जानते हैं कि वे एक खतरनाक टीम हैं लेकिन हम भी पीछे नहीं हटने वाले हैं।" उन्होंने कहा, "दोनों टीमें इस चुनौती का इंतजार कर रही हैं। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सबसे अच्छी योजना बनाता है और कौन उसे सबसे अच्छी तरह लागू करता है।

हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।" हुसैन ने कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर होने के नाते मजबूत खिलाड़ियों से भरे भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, "मेरा मतलब है कि आप गेंदबाजी करने से डरते नहीं हैं, बल्कि आप उस चुनौती का आनंद लेते हैं। हम जानते हैं कि भारत के टी20 के शीर्ष खिलाड़ी शीर्ष तीन में शामिल हैं।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सामान्य तौर पर पावरप्ले में गेंदबाजी करना काफी डरावना होता है, खासकर जब आप स्पिनर हों। पिच पर आपके पास काम करने के लिए कम जगह होती है और फिर आपके दो खिलाड़ी बाहर होते हैं।

पीसीबी ने 2025 विवाद के चलते नहीं दी एनओसी

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स में पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट के फाइनल सीजन से हट गई है। गौरतलब है कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने खिलाड़ियों को एनओसी (ऑब्जेक्शन प्लॉट) न देने के लिए अपने फैसले को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान चैंपियंस के मालिक कामिल खान ने पीसीबी से एनओसी न देने के फैसले पर फिर से विचार करने की पेशकश की थी। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि पीसीबी ने 2025 के विवाद से जुड़ी शर्तें रखीं; यह विवाद तब शुरू हुआ था जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ खेलने से इनकार कर दिया था।

हॉकी इंडिया लीग के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए नई टीम तैयार करना हमारा लक्ष्य : फुल्टन



नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स-2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने साई मीडिया से विशेष बातचीत में कहा कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक अब ज्यादा दूर नहीं है और हॉकी इंडिया लीग के बाद उन्हें नई टीम तैयार करने पर काम करना होगा। इसमें टीम में अधिक युवा खिलाड़ियों को शामिल कर अनुभव और युवा जोश के बीच बेहतर संतुलन बनाने पर जोर रहेगा।

फुल्टन ने कहा, लॉस एंजिल्स 2028 दो साल के भीतर है। ऐसा लगता है कि अभी काफी समय है, लेकिन यह समय बहुत जल्दी आ जाता है। फिलहाल हम सही कार्यक्रम और सही योजना तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यह तय करना है कि दो साल पहले, एक साल पहले और छह महीने पहले हमारी तैयारी कैसी होनी चाहिए और उसी के अनुसार योजना बनानी है। हां, मुझे लगता है कि हर टीम में अनुभव और युवाओं के अपने चरण होते हैं। हमारे पास इस समय अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है।

यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई खेलों में कुल पांचवां स्वर्ण पदक है। इससे पहले टीम ने 1966 बैंकॉक, 1998 बैंकॉक, 2014 इंचियोन और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आयरलैंड फुटबॉल टीम ने फिर पहनी काली पट्टी

इजराइल से हाथ नहीं मिलाया

बाक्का टोपोला, सर्बिया, 5 अक्टूबर। आयरलैंड की पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों ने इजराइल के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से पहले एक बार फिर काली पट्टी बांधी और इजराइल के राष्ट्रगान के दौरान सिर झुकाकर गाजा में इजरायल की कार्रवाई के विरोध का संकेत दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इजराइल के खिलाड़ियों ने भी काली पट्टी पहनी। उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल में हुए हमलों में मारे गए लोगों की याद में ऐसा किया। इजराइल के कप्तान डोर पेरेट्ज की पट्टी पर 7.10 लिखा था। आयरलैंड के नियमित कप्तान डारा ओशे अपनी पत्नी के साथ बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए टीम से अलग थे।

ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक का प्रतीक चिन्ह होगा ऑस्ट्रेलियाई तोता कॉकटू

ब्रिस्बेन, 5 अक्टूबर। ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई पक्षी कॉकटू को आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में चुना गया है। कॉकटू ने कंगारू, कोआला और 'बिन चिकन' जैसे विकल्पों को पछाड़कर यह स्थान हासिल किया है। हालांकि, आधिकारिक लॉन्च से पहले प्रतीक चिन्ह के सोशल मीडिया पर गलती से लीक होने के कारण आयोजकों को थोड़ी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा।

आयोजकों ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। ओलंपिक प्रतीक चिन्ह में गुलाबी कॉकटू का क्रेस्ट दिखाया गया है। इसके रंग को ओलंपिक और पैरालंपिक लौ जैसा रूप दिया गया है, जबकि इसका आकार मेजबान राज्य क्वींसलैंड से प्रेरित है। कॉकटू ऑस्ट्रेलिया और आसपास के क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक खास प्रकार का बड़ा तोता है। यह अपनी आकर्षक कलगी, चमकीले रंग और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। कॉकटू को ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख पक्षी प्रजातियों में शामिल किया जाता है। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्रिनर ने आधिकारिक बयान में कहा कि ये प्रतीक चिन्ह हमारे शहर और हमारी जीवनशैली का उत्सव हैं। उन्होंने कहा, वे उस ब्रिस्बेन को दर्शाते हैं, जिसे लोग जानते हैं और पसंद करते हैं-जीवंत, मजबूत, जुड़ा हुआ, मित्रवत, चंचल और थोड़ा शरारती। वे हमारे शहर में बढ़ रहे उत्साह का भी प्रतीक हैं।

2032 खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समन्वय आयोग की अध्यक्ष मिकाएला कोजुआंगको जावोस्र्का ने इन प्रतीक चिन्हों को क्षेत्र की प्रकृति और चरित्र की जीवंत अभिव्यक्ति बताया। 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों का मुख्य केंद्र राज्य की राजधानी ब्रिस्बेन होगी, लेकिन क्वींसलैंड के अन्य शहरों, जिनमें गोल्ड कोस्ट और सनशाइन कोस्ट शामिल हैं, में भी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

केबी रॉयल्स की रोमांचक जीत, कार्तिक चमके



जयपुर, 5 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी ने रोमांचक मुकाबले में एसएमआर क्रिकेट अकादमी को एक विकेट से हराया। एसएमआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 33.1 ओवर में 107 रन बनाए। आयुष शर्मा ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। केबी रॉयल्स की ओर से कार्तिक ने चार और हर्ष यादव ने दो विकेट लिए। जवाब में केबी रॉयल्स ने 32.2 ओवर में नौ विकेट खोकर 109 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जतिन यादव ने 18 और मनीष ने 13 रन बनाए। एसएमआर की ओर से राहुल चौधरी और चित्रांश सैनी ने तीन-तीन विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कार्तिक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राज्य स्तरीय शतरंज में जयपुर का दबदबा



जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान की 70वीं जिला एवं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 के तहत खूडाला-फालना में आयोजित अंडर-17 एवं अंडर-19 राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर ने अंडर-17 के बालक और बालिका दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरा खिताब अपने नाम किया। वहीं **अंडर-19 बालिका वर्ग** में भी जयपुर चैंपियन रहा, जबकि बालक वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। जयपुर जिला शतरंज संघ के सचिव जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि **यू-17 बालक वर्ग** में जयपुर के तीन खिलाड़ियों ने शीर्ष चार में जगह बनाई।रुद्रदमन मेर्तिया ने 6.5 अंक के साथ दूसरा, भाव्य गुप्ता ने 6.5 अंक के साथ तीसरा और सिद्धांत चतुर्वेदी ने 6.5 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। बीकानेर के हर्षवर्धन सिंह परिहार 7 अंक के साथ प्रथम रहे। **अंडर-17 बालिका वर्ग** में जयपुर की श्रेष्ठा जैन ने 8 अंक के साथ राज्य चैंपियन का खिताब जीता।जयपुर की लिनिशा लखेरा 7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। बूंदी की लवप्रीत कौर 7 अंक के साथ दूसरे और बीकानेर की नैन्सी बोड़ा 6.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। अंडर-19 बालक वर्ग में अर्णव गुप्ता ने 7 अंक के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। हालांकि टीम वर्ग में जयपुर को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उदयपुर के हार्दिक गुप्ता और जोधपुर के यथार्थ अग्रवाल ने भी 7-7 अंक बनाए। **अंडर-19 बालिका वर्ग** में जयपुर का दबदबा रहा। अनुष्का जैन ने 7.5 अंक के साथ पहला स्थान हासिल कर खिताब जीता। नंदिनी शर्मा 7 अंक के साथ दूसरे और जयपुर की गेहना अजमेरा 6.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। दौसा की हर्षिता अंदाना 7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

मुख्य ड्रॉ में देशना, आराध्या और रिद्धि की एंट्री

युगल में मनन-साई सोहन, वर्दित-वर्षिष्ट भी आगे बढ़े, साइराज ने एकल-युगल में





जयपुर, 5 अक्टूबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर-15 एवं अंडर-17 बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। अंडर-17 बालिका वर्ग में राजस्थान की देषना जैन, आराध्या जोधा और रिद्धी बत्रा ने क्वालीफाइंग के पांचवें एवं अंतिम दौर में जीत दर्ज कर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

देषना जैन ने तमिलनाडु की आरना कार्तिक को 15-11, 15-6 से, आराध्या जोधा ने कर्नाटक की चंदना सी को 15-8, 15-12 से तथा रिद्धी बत्रा ने दिल्ली की भाविका जयसवाल को 15-9, 11-15, 15-9 से हराया।

अंडर-17 बालक युगल में आंध्र प्रदेश के साई सोहन कोटा और राजस्थान के मनन शर्मा की जोड़ी ने दिल्ली के रुद्र प्रताप सिंह राजपूत और दीपांशु वर्मा को 15-3, 15-3 से शिकस्त दी। वहीं मेजबान टीम के वर्दित और वर्षिष्ट की जोड़ी ने कर्नाटक के एवनिल और मध्यप्रदेश के कवी शर्मा को 17-15, 16-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के साइराज नायसे ने भी अंडर-17 बालक वर्ग में एकल और युगल दोनों के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

शाम को निकला मुख्य ड्रॉ - चीफ रेफरी हबीब रहमान ने सोमवार शाम प्रतियोगिता का मुख्य ड्रॉ निकाला। इस अवसर पर राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव एवं आयोजन सचिव के.के. शर्मा, बैडमिंटन एशिया रेफरी राजीव मेहता, भारतीय बैडमिंटन संघ के तकनीकी अधिकारी एवं कन्वीनर राजेश कमल, बीएआई रेफरी लोकेश सोनी, राष्ट्रीय रेफरी त्रिलोक शुक्ला, चंद्रकांत शर्मा, विनित शर्मा सहित खिलाड़ी और अभिभावक मौजूद रहे।

राजस्थान के खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड - राजस्थान के अंडर-15 बालक एकल में आनंद मदेरणा और युवराज सिंह शेखावत तथा बालिका एकल में यशविता मेवाड़ा और कियारा गोयल को वाइल्ड कार्ड मिला। बालक युगल में लोकेश गुर्जर-रक्षित सिंह मेहरा, बालिका युगल में यशविता मेवाड़ा-खुशी शर्मा तथा मिश्रित युगल में आनंद मदेरणा-यशविता मेवाड़ा को भी वाइल्ड कार्ड प्रविष्टि दी गई। अंडर-17 में बालक एकल में श्रेयांश चौधरी व कंदर्प शर्मा, बालिका एकल में नेहल सिसोदिया व काव्या जोशी, बालक युगल में रुद्राक्ष मिड्ढा-उत्कर्ष सिंह राठौड़, बालिका युगल में आराध्या जोधा-देषना जैन तथा मिश्रित युगल में रुद्राक्ष मिड्ढा-दनिका करेल को वाइल्ड कार्ड मिला।

वरीयता में भी राजस्थान का दबदबा- अंडर-17 बालक वर्ग में राजस्थान के अंशुमन चौधरी को नौवीं वरीयता मिली। अंडर-15 बालक एकल में सात्विक अग्रवाल को 13वीं, युगल में श्रेयांश चौधरी-वयम लाम्बा को दूसरी तथा मनन शर्मा-साई सोहन कोटा की जोड़ी को पांचवीं वरीयता दी गई। इसी वर्ग के मिश्रित युगल में मनन शर्मा-पंजाब की इनायत गुलाटी को दूसरी और श्रेयांश चौधरी-पदमजा सिंह को चौथी वरीयता मिली। अंडर-17 बालक युगल में हर्मन पंडित-कंदर्प शर्मा को सातवीं, जबकि मिश्रित युगल में मनन शर्मा-सरायू रंजाने को आठवीं वरीयता प्रदान की गई।

आर्चरी प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन की शुरुआत 8 से

जयपुर, 5 अक्टूबर। आर्चरीप्रीमियर लीग के दूसरे सीजन की शुरुआत 8 अक्टूबर से हैदराबाद में होने जा रही। इस दूसरे सीजन में छह टीमें, राजस्थान कीराजपुतानारॉयल्स, तेलंगाना की टीम काकतीय नाइट्स, दिल्ली की पृत्वीराज योद्धाज, झारखण्ड की चेरोआर्चर्स, तमिलनाडु की चोलाचीफ्स, महाराष्ट्र की माइटी मराग्रज आमने-सामने आएगी। 8 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वालेएपीएलसीजन-2 में छह फ्रेंचाइजी टीमों के 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। इनमें रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में पुरुष एवं महिला तीरंदाज समान संख्या में शामिल होंगे। लीग में लागू 15 सेकंड का शॉट क्लॉक खिलाड़ियों के लिए एक अतिरिक्त चुनौती होगी, जिसमें उन्हें सीमित समय में निर्णय लेकर सटीक निशाना साधना होगा। गत चैंपियन राजपूताना रॉयल्स अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। टीम में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गाज़ोज और ब्रिटेन की स्टार कंपाउंड तीरंदाज एला गिब्सन शामिल हैं। एशियन गेम्सकीस्वर्ण पदक विजेता अंकिता भकत, पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवतले और कुशल दलाल टीम की चुनौती को और मजबूत करेंगे। आर्चरी प्रीमियर लीग के निदेशक अनिल कामिनेनी ने कहा कि भारतीय तीरंदाजों को उच्च स्तर की नियमित प्रतियोगिता का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा।

वुशू में जयपुर की धूम, खिलाड़ियों ने बरसाए पदक



भीलवाड़ा, 5 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ एवं भीलवाड़ा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में सुखाड़िया स्टेडियम, भीलवाड़ा में चल रही 20वीं जूनियर राज्य स्तरीय (बालक-बालिका) वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन जयपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। प्रतियोगिता में तालू और शान्शु वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष कटारिया ने बताया कि पुरुष एवं महिला वर्ग के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले आज खेले जाएंगे। **शान्शु के क्वार्टर फाइनल परिणाम -**

45 किग्रा बालक: शौर्य सिंह (कोटा), हिन्द कुमावत (उदयपुर), दुष्यंत सिंह गुर्जर (जयपुर) और अनिरुद्ध क्रिशन (जोधपुर) ने जीत दर्ज की।

48 किग्रा बालक: मयंक (जालौर), दक्ष सहारन (हनुमानगढ़), खुशदीप (श्रीगंगानगर) और कुलदीप (जोधपुर) विजयी रहे।

52 किग्रा बालक: लक्षित चावरिया (जयपुर), मानव (जोधपुर), प्रियांशु (जालौर) और अंशुमन सिंह (कोटा) ने अपने मुकाबले जीते।

56 किग्रा बालक: अरुण (भीलवाड़ा), अभय मेवारा (बूंदी), मनीष (श्रीगंगानगर) और नितेश कुमार (सीकर) विजेता रहे।

60 किग्रा बालक: रितेश राघव (झुंझुनू), लोकेन्द्र (जोधपुर), अंकित चौधरी (धौलपुर) और मनिन्द्र (श्रीगंगानगर) ने जीत दर्ज की।

45 किग्रा बालिका: खुशी शर्मा (जयपुर), तनु महरा (दौसा), दिव्या सोनी (जालौर) और नव्या शर्मा (कोटा) विजयी रहीं।

48 किग्रा बालिका: सुनाक्षी (जालौर), बलवंत कंवर (जोधपुर), हिमानी (चूरू) और गायत्री पूनिया (सीकर) ने मुकाबले जीते।

52 किग्रा बालिका: मानसी (झुंझुनू), दिव्या गोदारा (जालौर), प्रियांशा चौधरी (जोधपुर) और दिव्या कुमारी (हनुमानगढ़) विजयी रहीं।

अंडर-23 क्रिकेट में शतकों की धूम, देवकृत-विश्वजीत-प्रशांत-जतिन-करण ने जड़े शतक











जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मुकाबलों में सोमवार को बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। देवकृत शर्मा, विश्वजीत सिंह, प्रशांत माली, जतिन शर्मा और करण सिंह राणावत ने शतक जमाए। वहीं चिराग सुखवाल, रौनक गौर, कैफ मिर्जा, बृजेश पंत, आदित्य भाम्भू, सागर सिंह भाटी, आयुष वर्धन और विकास कुमार ने पांच-पांच विकेट लेकर अपनी टीमों की जीत में अहम भूमिका निभाई। नागौर, चित्तौड़, जयपुर, सवाईमाधोपुर, अजमेर, बाड़मेर, टोंक, सीकर, भीलवाड़ा, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर, करौली व श्रीगंगानगर जीते।

प्रतापगढ़-नागौर : नागौर जीता। प्रतापगढ़ की टीम 115 रन पर सिमट गई। रोहित मीणा ने 41 रन बनाए। नागौर के रौनक गौर ने 20 रन देकर पांच और ललित शेरावत ने 25 रन देकर पांच विकेट लिए। नागौर ने विकास लोहिया के 51 और नरेंद्र कच्छावा के 30 रन की मदद से लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रतापगढ़ के कालूराम निनामा ने तीन विकेट लिए।

चित्तौड़-झुंझुनूं : चित्तौड़ विजयी। चित्तौड़ ने 178 रन बनाए, जिसमें रोहित जाट ने 104 रन की शतकीय पारी खेली। झुंझुनूं की ओर से मोहित शर्मा ने तीन, इरफान ने तीन और कार्तिक शर्मा ने दो विकेट लिए। जवाब में झुंझुनूं 151 रन पर आउट हो गया। प्रतीक ने 73 रन बनाए। चित्तौड़ के बृजेश पंत ने 35 रन देकर पांच और मानव सिंह रावत ने 13 रन देकर चार विकेट झटके।

जयपुर-डूंगरपुर : जयपुर जीता। डूंगरपुर 123 रन पर आउट हुआ। दक्ष परशुराम भावसार ने 32 रन बनाए। जयपुर के मनय कटारिया ने तीन विकेट लिए। जयपुर ने 125/4 रन बनाकर जीत दर्ज की। आदित्य शर्मा 45 और तोषित भाटिया 31 रन पर नाबाद रहे।

जैसलमेर-सवाईमाधोपुर : सवाईमाधोपुर विजयी। जैसलमेर 102 रन पर आउट हुआ। भारत चारण ने 34 रन बनाए। कैफ मिर्जा ने 16 रन देकर छह विकेट लिए। सवाईमाधोपुर ने 103/4 रन बनाकर मैच जीता। आजाद सिंह ने 52 रन बनाए।

अजमेर-सिरोही : अजमेर जीता। अजमेर ने अमन मीणा के 67 और मानित दक्षिणी के 50 रन की बदौलत मजबूत स्कोर बनाया। सिरोही की टीम 44 रन पर ढेर हो गई। अजमेर के सागर सिंह भाटी ने 19 रन देकर पांच विकेट और रजत गुजराती ने तीन विकेट लिए।

बाड़मेर-बूंदी : बाड़मेर विजयी। बाड़मेर ने 283 रन बनाए। राहुल चौधरी ने 62, विकास कुमार ने 52, मोहित ने 41 और दरबार ने 36 रन बनाए। बूंदी की टीम 97 रन पर आउट हो गई। उदय सिंह ने चार, जितेंद्र कुमार ने तीन विकेट लिए।

कोटा-टोंक : टोंक जीता। कोटा 151 रन पर आउट हुआ। टोंक ने 152/3 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। मो. अनस ने 85 रन की शानदार पारी खेली। टोंक के प्रिंस माड़ीवाल और यश त्रिपाठी ने तीन-तीन विकेट लिए।

सीकर-जालोर : सीकर विजयी। सीकर ने 293 रन बनाए। सचिन ककोड़िया ने 92, अनितराज मंडिया ने 66 और अंकित कुमार ने 44 रन बनाए। जालोर 133 रन पर आउट हो गया। सीकर के भव्य राज ने चार, योगेंद्र कुमार ने तीन विकेट लिए।

भीलवाड़ा-चूरू : भीलवाड़ा जीता। भीलवाड़ा ने 136 रन बनाए। यथार्थ भिरानिया ने 35 और सर्वज्ञ पानेरी ने 25 रन बनाए। चूरू 116 रन पर सिमट गया। चिराग सुखवाल ने 23 रन

सौ दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित महापौर, सभापति व अध्यक्षों से शहरों के विकास पर संवाद किया

जयपुर, 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ शहरों के विकास और व्यवस्थाओं को लेकर 100 दिवसों के रोडमैप पर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियों, रंग-रोगन एवं सौन्दर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियाँ व रंग रोगन एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करें।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में शहरों का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण, सड़क, जलभराव, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण, पार्कों के रखरखाव, आवारा पशुओं की समस्या, अतिक्रमण, सीवरेज व्यवस्था सहित, अन्य जनसमस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्थानीय स्तर पर इनका त्वरित समाधान करें और 100 दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें।

नगरीय निकायों में प्रतिनिधित्व एक पद नहीं, बल्कि जनसेवा का मिशन है। जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित निकाय प्रमुखों को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना है। जनता ने विकास के लिए शहरी सरकारें बनाई हैं, इसलिए जनता को परिवर्तन का अहसास होना ही चाहिए। मुख्यमंत्री ने पार्षदों से वार्ड की सीमाओं से ऊपर उठकर पूरे शहर के विकास की सामूहिक सोच के साथ काम करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज और अन्य सुविधाओं की प्लानिंग वार्डवार नहीं, बल्कि पूरे शहर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर निगमों के महापौर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। नगर निकायों के उप महापौर, सभापति, उप सभापति, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष वीसी के माध्यम से जुड़े।

आज़ादी के बाद पहली बार असम में बांग्लादेश मालवाहक पोत रवाना हुआ

नई दिल्ली/डिब्रूगढ़ , 05 अक्टूबर। असम के डिब्रूगढ़ स्थित बोगीबील टर्मिनल से आजादी के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के लिए मालवाहक जहाज रवाना किया गया। केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल लदे पोत को हरी झंडी दिखाकर बांग्लादेश के ढाका के लिए रवाना किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा आभासी माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

- इस पोत से 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल ढाका भेजा गया है।

केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह मेथेनॉल राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड द्वारा नामरूप में उत्पादित किया गया है। मालवाहक पोत बोगीबील से ढाका के पांगांव बंदरगाह तक लगभग 1,300 किलोमीटर की यात्रा करेगा। इसमें भारत में ब्रह्मपुत्र नदी के राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर लगभग 768 किलोमीटर का मार्ग और उसके बाद भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग शामिल है।

सोनोवाल ने कहा कि डिब्रूगढ़ कभी पूर्वी भारत के सबसे व्यस्त नदी बंदरगाहों में गिना जाता था। 70 वर्षों तक यहां स्टीमर की सीटी खामोश रही, लेकिन आज डिब्रूगढ़ से एक बार फिर दुनिया की ओर जहाज रवाना हो रहा है। उन्होंने इसे असम और पूर्वोत्तर भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

काल डीज़रॉथ, पीटर हेगमान और गेऑर्ग नेगल को संयुक्त रुप से चिकित्सा का नोबेल

इन्हें यह सम्मान ऑप्टोजैनेटिक्स और लाइट गेटेड आयन चैनल्स में की गई खोजों के लिए दिया गया है

स्टॉकहोम, 05 अक्टूबर। कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगमैन और जॉर्ज नागेल को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए वर्ष 2026 का चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की सोमवार को घोषणा की गई। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम स्थित कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली ने इसका ऐलान किया। पुरस्कार तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा।

- नोबेल असेम्बली ने कहा कि इन खोजों ने न्यूरो साईन्स में नए युग की नींव रखी है।

नोबेल असेंबली के अनुसार, इन वैज्ञानिकों की खोजों ने न्यूरोसाइंस के एक नए युग की नींव रखी है। इस वर्ष नोबेल पुरस्कार की राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 11.51 करोड़ रुपये) है। यह राशि तीनों विजेताओं के बीच समान रूप से बांटी जाएगी। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र और पदक भी प्रदान किया जाएगा।

तीनों वैज्ञानिकों को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल ने चैनलरोडोप्सिन प्रोटीन की खोज की। इसके बाद कार्ल डाइसेरोथ ने इस प्रोटीन को तंत्रिका कोशिकाओं के लिए प्रकाश-नियंत्रित स्विच में बदल दिया।

कार्ल डाइसेरोथ स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में बायोइंजीनियरिंग तथा मनोचिकित्सा एवं व्यवहार विज्ञान के डीएच चेन प्रोफेसर हैं। वे हॉवर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टीट्यूट में अन्वेषक भी हैं।

डाइसेरोथ ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी और एमडी की डिग्री प्राप्त की।

उन्होंने स्टैनफोर्ड में ही पोस्टडॉक्टोरल प्रशिक्षण, मेडिकल इंटर्नशिप और वयस्क मनोचिकित्सा में रेजिडेंसी पूरी की। वे अमेरिकन बोर्ड ऑफ साइकियाट्री एंड न्यूरोलॉजी से बोर्ड-प्रमाणित हैं।

पीटर हेगेमैन जर्मनी के बर्लिन स्थित हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन के जीवन विज्ञान संकाय के जीव विज्ञान विभाग में न्यूरोसाइंसेज के हर्टी सीनियर रिसर्च चेयर और प्रायोगिक जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोकैमिस्ट्री से पीएचडी की और सिराक्यूज यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल शोध पूरा किया।

जॉर्ज नागेल जर्मनी के यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्जबर्ग के वनस्पति विज्ञान विभाग में आणविक पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1988 में फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोफिजिक्स में भी काम किया। इसके अलावा, वे येल यूनिवर्सिटी और रॉकफेलर यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल फेलो रहे।

संशोधित फॉर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने पेश किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे यह भी देखना चाहते हैं कि फॉर्म -6 में बदलाव किसने किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "बदले हुए फॉर्म- 6 को हमने मंजूरी नहीं दी है। यह बात साफ है।"

ईसीआई ने कहा है कि फॉर्म -6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग का कहना है कि उसने केवल एक अतिरिक्त घोषणा (डिक्लरेशन) जोड़ी है, जिसका इस्तेमाल नए वोटर, "वोटर लिस्ट को ठीक करने की प्रक्रिया," यानी "स्पैशल इंटैंसिव रिविज़न" के लिए करेंगे।

प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को भारत में बनी तीन प्रकार की "चीज़" भेंट की

स्विट्ज़रलैंड चीज़ की विशेष किस्मों के लिए विख्यात है ऐसे में भारतीय चीज़ तोहफे में देना भारत की विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा को दर्शाता है

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन को भारत में तैयार की गई चीज़ की तीन विशेष किस्में 'गुलमर्ग', 'कोणार्क' और 'यूर' भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीर की पारंपरिक कला को दर्शाने वाला अखरोट की लकड़ी से बना हस्तनिर्मित दीवार पैनल भी उपहार में दिया।

'गुलमर्ग' फ्रांसीसी शैली का नरम और क्रीमी चीज़ है, जिसे पाश्चुरीकृत गाय के दूध से तैयार किया जाता है। इसे 2026 के 'मुंडियल डू फ्रॉमाज डू ब्राजील' में 'सुपर गोल्ड' सम्मान मिला है। 'कोणार्क' फ्रांसीसी टोम शैली का चीज़ है, जिसे 2023 में नॉर्वे में आयोजित 'वर्ल्ड चीज़ अवाड्र्स' में स्वर्ण और 2025 में स्विट्ज़रलैंड में रजत सम्मान मिला था।

'यूर' पर्वतीय शैली का चीज़ है, जिसे स्विस ग्रुईयर से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया है। इसे करीब आठ से नौ महीने तक परिपक्व किया जाता है, जिससे इसमें मेवों, मिठास और जड़ी-बूटियों जैसे स्वाद विकसित होते हैं। इसकी अच्छी तरह पिघलने की विशेषता के कारण इसका इस्तेमाल फोंड्यू और ग्रिल किए जाने वाले व्यंजनों में भी किया जा सकता है।

- ये तीन प्रकार की चीज़ है गुलमर्ग, कोणार्क और यूर।
- इसके अलावा प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीरी अखरोट की लकड़ी से बना पैनल भी तोहफे में दिया।

स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चीज की अपनी विविध किस्मों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में भारतीय चीज की इन तीन विशेष किस्मों को भेंट करना भारत की समृद्ध और विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा की झलक पेश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति की पत्नी को गुजरात की पारंपरिक कला एवं शिल्प को दर्शाने वाला कच्छी शॉल और सादेली बॉक्स भी भेंट किया। सूरत का सादेली बॉक्स बारीक ज्यामितीय डिजाइनों के लिए जाना जाता है, जबकि कच्छी शॉल अपनी पारंपरिक बुनाई और विशिष्ट ज्यामितीय रूपांकनों के लिए प्रसिद्ध है। स्विस राष्ट्रपति को भेंट किए गए कश्मीरी अखरोट की लकड़ी के दीवार पैनल पर कश्मीर के पारंपरिक परिदृश्य, वनस्पतियों, मानव आकृतियों, घोड़ों, गाड़ियों और ग्रामीण जीवन के दृश्यों को हाथ से उकेरा गया है। यह कश्मीर की सदियों पुरानी लकड़ी पर नक्काशी की परंपरा और स्थानीय कारीगरों के कौशल को दर्शाता है।

राज्यसभा चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्वी उत्तर प्रदेश के दलित नेता विद्यासागर सोनकर पूर्व लोकसभा सांसद और एमएलसी रह चुके हैं। उन्होंने भाजपा के महासचिव के रूप में भी काम किया है।

भाजपा ने ऐसे नेताओं को भी उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें पार्टी संगठन में काम करने का अनुभव है। इनमें प्रकाश पाल और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं। ओबीसी पाल समुदाय से आने वाले प्रकाश पाल पहले पार्टी के कानपुर-बुंदेलखंड संगठन क्षेत्र के प्रमुख रह चुके हैं। चौहान को जून 2026 में हुए फेरबदल में राज्य महासचिव बनाया गया था और अगस्त में उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। इन उम्मीदवारों के चयन में जातीय प्रतिनिधित्व और पार्टी संगठन में अनुभव, दोनों को ध्यान में रखा गया है। ये निर्णय 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी को मद्देनज़र रखते हुए लिए गए हैं।

ज्ञानेश के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व चुनाव आयोग को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का एकतरफा अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कई फैसले एकतरफा लिए जाने के आरोपों पर पहले चुनाव आयोग और अन्य संबंधित पक्षों का जवाब मांगा जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार, निर्वाचन आयोग और ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

- हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निलंबन पर अंतरिम आदेश देने से इन्कार कर दिया

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि नागरिकों के वोटिंग अधिकार खतरे में हैं और मुख्य निर्वाचन आयुक्त पक्षपात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह वोटर्स का 30 प्रतिशत है। बंगाल में यह वोटर्स का 25 प्रतिशत था। अपीलेट ट्रिब्यूनल के पास 16 लाख अपीलें लंबित हैं। उन लोगों को पहले ही एक चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा जा चुका है। अब एक और चुनाव आ गया है।

मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि यह किसी खास राज्य तक सीमित नहीं है। राज्य का इस्तेमाल सिर्फ एक उदाहरण के तौर पर किया जा रहा है। हम हाल के चुनावों पर ध्यान दिला रहे हैं। यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के राष्ट्रीय कामकाज और चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला है।

उस गैर-कानूनी काम को एक असंवैधानिक कानून के जरिए बचाया जा रहा है। इस तरह के पक्षपाती व्यवहार के लिए क्या सजा है? मैं खुद से यह सवाल पूछती हूं। हम इस देश में आजाद और निष्पक्ष चुनावों के माहौल में बड़े हुए हैं। आज वे नहीं रहे। मैं इन मांगों पर कायम हूं, हर एक मांग पर। यह एक राष्ट्रीय समस्या है।

ज्ञानेश कुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो महीनों के दौरान 10 अक्टूबर से 26 नवंबर तक एआईसीसी और प्रदेश कांग्रेस कमेटियां 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध मार्च आयोजित करेंगी।

10-20 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर मार्च होगा, जिसका समापन एसडीएम कार्यालयों पर होगा।

25 अक्टूबर-25 नवंबर को हर गांव में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। इनमें हमारे कार्यकर्ता मोदी-शाह के 'वोट चोरी' के तौर-तरीकों के बारे में लोगों को बताएंगे और गांव के नेताओं तथा प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। बीएलए, यानी हमारे 'वोट रक्षक,' का काम होगा गलत तरीके से हटाए गए प्रत्येक मतदाता की पहचान करना और उनका नाम दोबारा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना।

1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की बड़ी रैली होगी।

25 से 26 नवंबर तक कांग्रेस को 'दिल्ली चलो' वाहन रैली आयोजित करेगी, जिसका समापन 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में होगा।

कांग्रेस ने कहा, हमारी लड़ाई अंतिम परिणाम तक जारी रहेगी। जब तक ज्ञानेश को हटाया या गिरफ्तार नहीं किया जाता और उनके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाता, हम सड़कों पर लड़ते रहेंगे।

पंजाब के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब के लोगों को पंजाब सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाएं मिलती रहें। चाहे वह मुफ्त बिजली हो, नहर का पानी हो, कैशलैस इलाज हो या महिलाओं के खातों में आर्थिक सहायता भेजना हो। केन्द्र ने पंजाब के फंड रोक रखे हैं। इसके बावजूद, पंजाब सरकार अपने पैसों से लोगों को कई तरह की सुविधाएं दे रही है। केन्द्र सरकार को लगता है कि जब तक ये सुविधाएं लोगों तक पहुंचती रहेंगी, तब तक उसे पंजाब में राजनीतिक फायदा नहीं मिल पाएगा। इसी वजह से पंजाब सरकार की टीम को निशाना बनाया जा रहा है।

इमरजेंसी के बाद ब्रिटिश एयरवेज की शिकागो फ्लाइट वापस लंदन लौटी

लंदन, 05 अक्टूबर। लंदन से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट में सोमवार को अचानक इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। उड़ान के दौरान कुछ ही समय में विमान की ऊंचाई करीब 28,000 फीट कम हो गई। दरअसल, विमान आयरलैंड के ऊपर उड़ रहा था और करीब 37,000 फीट की ऊंचाई पर था। अचानक विमान की ऊंचाई घटाकर करीब 9,000 फीट कर दी गई। इसके बाद फ्लाइट को वापस लंदन की ओर मोड़ दिया गया।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए295 लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से शिकागो के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक, विमान ने 7700 इमरजेंसी कोड इस्तेमाल किया। इसके बाद विमान को शिकागो जाने के बजाय वापस लंदन लाया गया।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक), वाम दलों, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) समेत, कई दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकांश सीटें 2026 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों से निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक सीट छोड़ने अथवा विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुई हैं।

फ्लाई दुबई विमान को हाइजैक करने की कोशिश "लोन वुल्फ अटैक" थी

इज़रायल ने दावा किया कि ओमानी को-पायलट अल हमामी ने अकेले ही इस साजिश को अंजाम दिया

तेल अवीव, 05 अक्टूबर। इज़रायल की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि फ्लाईदुबई के विमान को हाईजैक करने की कथित कोशिश शायद एक लोन-वुल्फ हमला था। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को विमान के यात्रियों और फ्लाइट कैप्टन ने बताया कि बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट जब इज़रायल के पास पहुंच रही थी, तब को-पायलट ने कथित तौर पर फ्लाइट कैप्टन को चाकू मारा और विमान को क्रैश करने की कोशिश की।

को-पायलट अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूईए) में है। वहां उससे इज़रायल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। इससे पहले सऊदी अधिकारियों ने भी उससे पूछताछ की। इज़रायल ने जांच में शामिल होने के लिए अपने प्रतिनिधि यूएई भेजे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि "जो मैंने सुना है, उसके आधार पर" हो सकता है कि को-पायलट का संबंध ईरान से हो।

- को-पायलट अभी यूएई में ही है और इज़रायल के अधिकारी वहीं उससे पूछताछ कर रहे हैं।
- इज़रायल ने दावा किया हमलावर को-पायलट आत्मघाती था, पकड़े जाने पर वह चिल्ला रहा था मुझे मार डालो।

इससे पहले नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि को-पायलट के मकसद का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि इज़रायल को पता था कि को-पायलट इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था।

उन्होंने कहा कि हमलावर "आत्मघाती" था और जब क्रू के अन्य सदस्यों और यात्रियों ने उसे काबू किया, तो वह चिल्लाया: "मुझे मार डालो, मुझे मार डालो!" फ्लाइट के को-पायलट की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, हालांकि जांच से जुड़े कई सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उसका नाम हमम अल-हमामी है।

सूत्रों के अनुसार, अल-हमामी ने कुछ समय के लिए ओमान एयर के लिए काम किया। यहां उसने नए पायलट की ट्रेनिंग शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि ओमान सरकार की निगरानी में पता चला कि वह कट्टरपंथी वेबसाइटें देखता था। इसके बाद ओमान एयर ने उसे ऑफिस से अटैच कर दिया। इसके बाद अल-हमामी ने इस्तीफा दे दिया। उसने 2024 के आसपास एयरलाइन छोड़ दी।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले अल-हमामी ने दुबई में एलअल इज़रायली एयरलाइंस के विमानों का एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके आखिर में अल-कायदा के प्रमुख नेता अयमान अल-जवाहिरी की तस्वीर थी। जवाहिरी 2022 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया था। बताते हैं कि अल-हमामी को फ्लाईदुबई ने ओमान सरकार से उसकी जांच-पड़ताल किए बिना ही उसे नौकरी पर रख लिया।

सूत्रों ने बताया कि अल-हमामी ओमान का नागरिक है, लेकिन उसका जन्म ओमान में नहीं हुआ। उसने अपनी जिंदगी का ज्यादा समय ओमान के बाहर बिताया।

उसकी मां सीरियाई और पिता ओमान के नागरिक हैं। ओमान सरकार ने सार्वजनिक रूप से उसकी नागरिकता की पुष्टि नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि उसके पास दोहरी नागरिकता हो।

'ममता बनर्जी का मेडिकल रिकॉर्ड किसकी अनुमति से सार्वजनिक किया?'

कोलकाता, 05 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 की पैर की चोट को लेकर पांच साल बाद फिर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया है कि ममता की चोट को लेकर सामने आई 11 मार्च 2021 की मेडिकल रिपोर्ट में पैर में फ्रैक्चर का कोई सबूत नहीं था। इसके बाद ममता बनर्जी के वकील अर्क नाग ने मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर बिना अनुमति सार्वजनिक किए जाने को लेकर एसएसकेएम अस्पताल और बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज को कानूनी नोटिस भेजा है। इस पूरे मामले में अब मेडिकल रिपोर्ट की सामग्री के साथ ही, उसे सार्वजनिक किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ममता के वकील ने पूछा है कि उनकी मुवक्किल के मेडिकल रिकॉर्ड मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी तक कैसे पहुंचे और बाद में सार्वजनिक कैसे किए गए। नोटिस में पूछा गया है कि क्या इन मेडिकल रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के लिए किसी अदालत का आदेश मौजूद था।

आकाश आनंद तीसरी बार बसपा में लौट कर राष्ट्रीय संयोजक बने

मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के व्यक्तित्व व कार्यशैली में काफी बदलाव दिख रहा है

लखनऊ, 05 अक्टूबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में वापस लिया है तथा पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश आनंद की यह तीसरी बार वापसी है।

पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि "बहुजन समाज" ही मेरा विराट परिवार है और उनका हित व कल्याण मेरे लिये सर्वोपरि है और हमेशा ही रहेगा। इसी को मद्देनज़र रखते हुये, ख़ासकर पार्टी में अनुशासन बनाये रखने के लिये ही, अनेक सख्त फैसले लिए गये हैं। उन्होंने आगे कहा कि अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है, जिसके बाद से आकाश आनन्द के व्यक्तित्व व कार्यशैली आदि में काफी कुछ बदलाव भी देखने को मिले हैं।

- बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी के अधिकांश लोगों के अनुरोध को स्वीकार करके उन्होंने यह फैसला लिया है। आकाश आनंद के छोटे भाई ईशान आनंद ने भी इस कदम के लिये सहमति जताई है।

मायावती ने कहा कि इस संबंध पार्टी के अधिकांश लोगों का यही कहना है कि आकाश आनन्द के अनुरोध को स्वीकार करते हुये उनकी पूर्व में दी गई ज़िम्मेवारियों के साथ इनको पार्टी में पुन: कार्य करने का मौक़ा दे रही हैं। उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारू ढंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालाँकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा। ज़रूर निभायेंगे।

मायावती ने कहा कि काफी सोच-विचार करने के बाद पार्टी व मूवमेन्ट के हित में, वे आकाश आनन्द को पुन: बसपा का राष्ट्रीय संयोजक बनाकर इनको फिर से पार्टी में कार्य करने का मौक़ा दे रही हैं। उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारू ढंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालाँकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424, हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908